



शंकराचार्य पर केस कराने वाले ब्रह्मचारी ट्रेन में हमला, नाक काटने की कोशिश

प्रयागराज (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले में सिराथू रेलवे स्टेशन के पास एक सनसनीखेज बारदात सामने आई है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ कानूनी मोर्चा खोलने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी पर चलती ट्रेन में जानलेवा हमला किया गया है। हमलावरों ने धारदार हथियार से उनके चेहरे पर कई बार किए और उनकी नाक काटने की कोशिश की। लहलुहान हालत में आशुतोष ब्रह्मचारी ने किसी तरह ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, आशुतोष ब्रह्मचारी ट्रेन के जरिए प्रयागराज की ओर जा रहे थे। जैसे ही ट्रेन सिराथू स्टेशन के पास पहुंची, पहले से घात लगाकर बैठे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धावा बोल दिया। चरमदी-दों के मुताबिक, हमलावर पूरी तैयारी के साथ आए थे। उन्होंने आशुतोष को घेर लिया और सीधे उनके चेहरे को निशाना बनाना शुरू कर दिया। हमले का मुख्य उद्देश्य उनकी नाक काटना था, जिससे उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। अचानक हुए इस हमले से बोगी में अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए पीड़ित भागकर टॉयलेट में घुस गए और अंदर से कुंडी लगा ली। हमलावरों ने दरवाजा तोड़ने का भी प्रयास किया, लेकिन यात्रियों के शोर मचाने और सक्रिय होने के कारण वे मौके से फरार हो गए। प्रयागराज पहुंचने पर पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी और प्राथमिक उपचार कराया। आशुतोष ब्रह्मचारी ने इस हमले के पीछे एक गहरी साजिश का आरोप लगाया है। पुलिस को दी गई अपनी तहरीर में उन्होंने ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानन्द और उनके अन्य सहयोगियों को नामजद किया है। आशुतोष का दावा है कि चूंकि उन्होंने शंकराचार्य के विरुद्ध न्यायालय में कानूनी कार्यवाही शुरू की है, इसलिए उनकी जान लेने और उन्हें विदूष करने की यह योजना बनाई गई थी। उन्होंने बताया कि उन्हें काफी समय से घमकियां भी मिल रही थीं। फिलहाल, प्रयागराज पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। चूंकि घटना स्थल कौशाम्बी के सिराथू के पास का है, इसलिए राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन में मौजूद यात्रियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद से धार्मिक और राजनीतिक हलकों में तनाव का माहौल है।

खास / खबरे

जंग के बीच भारत ने तेज किया नागरिकों का रेस्क्यू, 52 हजार स्वदेश लौटे, 100 उड़ानें रद्द



नई दिल्ली (एजेंसी) । पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के बीच भारत सरकार ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी दिशानिर्देशों और भारतीय मिशनों की सलाह का कड़ाई से पालन करें। भारत सरकार सहायता की जरूरत वाले हर नागरिक तक पहुंचने के लिए संबंधित देशों की सरकारों के साथ निरंतर समन्वय कर रही है। शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र की उभरती स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि क्षेत्र के हवाई क्षेत्र के आंशिक रूप से खुलने के बाद अब तक 52,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं। पश्चिम एशिया में स-रक्षा की स्थिति फिलहाल अत्यंत अनिश्चित बनी हुई है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरानी ठिकानों पर की जा रही बमबारी और तेहरान की ओर से अमेरिकी व इजराइली ठिकानों पर किए जा रहे जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। भारतीयों की सहायता के लिए वहां स्थित भारतीय दूतावासों ने 24 घंटे चालू रहने वाली हेल्पलाइन नंबर भी स्थापित किए हैं। इस भीषण संघर्ष का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर पड़ा है। शनिवार को दिल्ली और मुंबई के हवाई अड्डों पर कम से कम 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, मुंबई हवाई अड्डे से 35 प्रस्थान और 36 आगमन उड़ानें रद्द रहीं, जबकि दिल्ली हवाई अड्डे से 22 प्रस्थान और 17 आगमन उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएल्ल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यात्रियों को सूचित किया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण पश्चिम से यात्रियों को सूचित किया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण पश्चिम से और जाने वाली उड़ानों में देरी या समय-सारणी में बड़े बदलाव हो सकते हैं। ज्ञात हो कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष ने वैश्विक नागरिक उड्डयन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुरक्षा कारणों से पश्चिम एशिया के कई हवाई क्षेत्रों को बंद कर दिया गया है, जिस-के चलते एयरलाइन कंपनियों या तो बहुत सीमित संख्या में उड़ानें संचालित कर रही है या लंबे वैकल्पिक रास्तों का उपयोग कर रही हैं। भारत सरकार की प्राथमिकता अब युद्धरत क्षेत्रों में फंसे बाकी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधानों को कम करने की है।

दिल्ली की 7 कॉलोनियों की बदलेगी सूरत बननेगे 21,000 से ज्यादा नए फ्लैट्स

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत सरकार दिल्ली की 7 पुरानी सरकारी आवास कॉलोनियों का आत्मनिर्भर मॉडल पर पुनर्विकास कर रही है। इसमें सरकारी खजाने पर बिना बोझ डाले, 21,000 से अधिक नए फ्लैट्स और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किए जा रहे हैं। यह केन्द्रीय कर्मचारियों की आवास कमी को पूरा करेगा। भारत सरकार दिल्ली में 7 पुरानी सरकारी हाउसिंग कॉलोनियों को एक नए सेलेफ-फाइनेंसिंग मॉडल के जरिए फिर से विकसित कर रही है, जिस-के लिए सरकारी खजाने से कोई फंडिंग की जरूरत नहीं है। इस प्रोजेक्ट में स-रोजिनी नगर, नेताजी नगर, नौरोजी नगर, कस्तूरबा नगर, त्यागराज नगर, श्रीनिवासपुरी और मोहम्मदपुर की कॉलोनियां शामिल हैं, जो लगभग 537 एक-डु में फैले हुए हैं। इन कॉलोनियों में मौजूदा कई आवासीय क्वार्टर पुराने और स्ट्रक्चर के हिसाब से असुरक्षित हो गए थे, जिनमें से लगभग 40 फीसदी को रहने लायक नहीं माना गया था। वहीं, सरकार को केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के लिए 20,000 से ज्यादा घरों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस रीडेवलपमेंट में पुरानी कम ऊंची इमारतों की जगह मॉडर्न ऊंची रेंजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे, जिससे 21,000 से ज्यादा नए फ्लैट के साथ-साथ बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक सुविधाएं मिलेंगी।

पीएम मोदी ने ममता पर साधा निशाना और कहा- राष्ट्रपति मुर्मू के अपमान को बंगाल की जनता कभी माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली, (एजेंसी) ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कथित अपमान को लेकर एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि पश्चिम बंगाल की प्रबुद्ध जनता टीएमसी को एक नारी के अपमान, एक आदिवासी के अपमान और देश के महामहिम राष्ट्रपति के अपमान के लिए कभी माफ नहीं करेगी। पीएम मोदी ने उल्लेख किया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संचाल आदिवासी परंपरा के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेने बंगाल गई थीं, लेकिन टीएमसी ने उस आयोजन का बहिष्कार किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश, आदिवासी समाज और नारी शक्ति भी इस अपमान को माफ नहीं करेगी।इस्-के अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पूरे देश की नारी शक्ति को बधाई दी और उनके



योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि

भारत में महिला सशक्तिकरण नई

ऊँचाइयों पर है और नारी शक्ति हर

क्षेत्र—राजनीति, प्रशासन, खेल,

पंजाब सरकार का 2.60 लाख करोड़ का बजट पेश, महिलाओं को प्रतिमाह हजार रुपये देने का ऐलान

चंडीगढ़, (एजेंसी) । पंजाब विधानसभा में राज्य सरकार ने वित्त वर्ष 2026झ27 के लिए 2,60,437 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह बजट मां-बेटियों को समर्पित है और सरकार की गारंटियों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पंजाब सरकार ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। बजट में हर महिला को 1000 रुपये प्रति माह देने की योजना के लिए प्रावधान रखा गया है। यह वादा आम आदमी पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। शिक्षा और स्वास्थ्य पर फोकस वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा, कि वर्ष 2026झ27 में शिक्षा क्षेत्र के लिए 19,279 करोड़ का बजट रखा गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 7 प्रतिशत अधिक है। वहीं स्वास्थ्य सेव-ाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकारी अस्पतालों में करीब 300 करोड़ रुपये के आधुनिक चिकित्सा उपकरण और



मशीनों खरीदी जा रही हैं। अस्पतालों के ढांचे को मजबूत करने की पहल सरकार ने राज्य के 23 जिला अस्पतालों और 42 उप-डिवीजनल अस्पतालों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए कई सुधारात्मक कदम उठाए हैं। इन अस्पतालों में स्वच्छता, मरीजों की सुविधाओं और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। इसके साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विशेष विंग स्थापित किए जा रहे हैं। आम आदमी क्लोनिक का विस्तार राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य सेव-ाओं को सुलभ बनाने के लिए आम आदमी क्लोनिक का विस्तार किया

जाएगा। चालू वर्ष में 100 नए क्लोनिक शुरू किए जा रहे हैं, जबकि वित्त वर्ष 2026झ27 में 143 और क्लोनिक स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा 308 सहायक स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड कर आम आदमी क्लोनिक में बदला जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के पांच साल के कार्यकाल में राज्य में कुल 1,432 आम आदमी क्लोनिक स्थापित हो जाएं। इस योजना के लिए वर्ष 2026झ27 में ₹ 351 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया गया है। सरकार का कहना है कि इन योजनाओं से राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार होगा तथा आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। बजट पेश करने से पहले हरपाल चीमा ने अपनी माता मंजीत कौर का आशीर्वाद लिया और स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह तथा सविधान निमार्ता भीमराव अंबेडकर को नमन किया। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री भागवंत मान से मुलाकात की। बजट दस्तावेज को पारंपरिक ह्फुलकाराह कवर में प्रस्तुत किया गया।

भाजपा के इशारे पर राजनीति न करें: राष्ट्रपति मुर्मू के बयान पर बोलीं ममता

कोलकाता, (एजेंसी) । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के स्वागत के लिए नहीं पहुंचने को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। इस मुद्दे पर राष्ट्रपति मुर्मू की टिप्पणी के बाद ममता बनर्जी ने प्रतिक्रिया स्वरूप कहा है, कि चुनाव के समय अवसर लिए ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होना संभव नहीं होता और इस मुद्दे को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। उनका सम्मान सर्वोपरि, लेकिन किसी राजनीतिक दल के इशारे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। दरअसल, हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कोलकाता और राज्य के अन्य कार्यक्रमों के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनके स्वागत के लिए उपस्थित नहीं हुईं। इस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने आश्चर्य जताते हुए कहा था कि ममता बनर्जी उनकी छोटी बहन की तरह हैं और उनके स्वागत के लिए न पहुंचना उन्हें हैरान करता है। राष्ट्रपति की टिप्पणी के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि वह राष्ट्रपति का सम्मान करती हैं, लेकिन



चुनावी माहौल में उनकी प्राथमिकता जनता के बीच रहना और उनके अधिकारों के लिए काम करना है। उन्होंने कहा, अगर आप साल में एक बार आती हैं तो मैं आपका स्वागत कर सकती हूँ, लेकिन यदि आप चुनाव के दौरान आती हैं तो मेरे लिए कार्यक्रमों में शामिल होना संभव नहीं होगा। बीजेपी पर साधा निशाना ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल को बदनाम करने के लिए राष्ट्रपति का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि

राष्ट्रपति का सम्मान सर्वोपरि है, लेकिन उन्हें किसी राजनीतिक दल के इशारे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। यहां मुख्यमंत्री ममता ने यह भी सवाल उठाया कि जब अन्य राज्यों में आदिवासियों पर अत्याचार की घटनाएं सामने आती हैं, तब उस पर उतनी चर्चा क्यों नहीं होती। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने आदिवासी समुदायों के विकास के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। कार्यक्रम रोकने के आरोप खारिज ममता बनर्जी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने राष्ट्रपति के

के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। कमल हासन की पोस्ट सामने आने के बाद कई यूजर्स सवाल उठा रहे हैं कि वह किस हैसियत से इंडिया की तरफ से बयान दे रहे हैं। कई लोग इसे झूमा बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि भारत को किसी भी खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे



में कई अहम सुरक्षा पदों पर दशकों का अनुभव खो दिया है। विशेषज्ञों का

कहना है कि युद्ध और बर्खास्तगियों का यह संयोजन अमेरिका के लिए

है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका और इजरायल के हमले, साथ ही एफबीआई में हुई बर्खास्तगियां,

एक नजर

पति से फोन पर कहासुनी के बाद विवाहिता ने की आत्महत्या की कोशिश



दैनिक बिहार पत्रिका गोगरी (खगड़िया)।

गोगरी प्रखंड के मुश्क्रीपुर गांव में पति से मोबाइल फोन पर कहासुनी होने के बाद एक विवाहिता ने रविवार दोपहर फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। हालांकि परिजनों की सतर्कता से उसकी जान बच गई। बाद में उसे इलाज के लिए गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। महिला की पहचान मुश्क्रीपुर निवासी शुबहम सिंह की 22 वर्षीय पत्नी मोनी कुमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मोनी ने दो वर्ष पहले शुबहम सिंह से प्रेम विवाह किया था। परिजनों के अनुसार शुबहम सिंह पिछले दस दिनों से मजदूरी करने के लिए दिल्ली गए हुए हैं। रविवार को मोबाइल फोन पर पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद मोनी कुमारी ने मफलर के सहारे पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। उसी दौरान परिजनों की नजर उस पर पड़ गई और उन्होंने तुरंत उसे बचा लिया। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम और गोगरी थाना की एसआई अवती कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस की मदद से महिला को इलाज के लिए गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल के डॉक्टर मिकेल रंजन ने बताया कि महिला अब खतरे से बाहर है।

बच्चे को बचाने के प्रयास में दूध विक्रेता बाइक से गिरकर घायल



दैनिक बिहार पत्रिका गोगरी (खगड़िया)।

खगड़िया जिले के गोगरी प्रखंड के बड़हरा गांव में रविवार सुबह एक दूध विक्रेता बच्चे को बचाने के प्रयास में गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान गोगरी प्रखंड के उसरी गांव निवासी सरोज कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि यह घटना रविवार सुबह करीब दस बजे हुई, जब सरोज कुमार बाइक से दूध पहुंचाकर अपने घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि बड़हरा गांव के पास अचानक एक बच्चा सड़क पर आ गया। बच्चे को बचाने के प्रयास में सरोज कुमार की बाइक असंतुलित हो गई और वह सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों मोहम्मद इकबाल, अशोक कुमार और पिंटू कुमार ने तुरंत उन्हें उठाकर गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के डॉक्टर संजीव कुमार ने बताया कि सरोज कुमार की हालत अब खतरे से बाहर है और उनका इलाज जारी है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दी शुभकामनाएं

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य की महिलाओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य या देश के विकास में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण, उनकी सुरक्षा, शिक्षा तथा सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार कई योजनाओं के माध्यम से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि महिलाओं के उत्थान और सम्मान के लिए हमेशा प्रयास करते रहें, ताकि उनका सामाजिक और आर्थिक विकास हो सके और उन्हें एक सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण मिल सके।

महिला दिवस पर 10 शिक्षिकाएं हुई सम्मानित

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से जिले की 10 महिला शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारी भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान अन्य विभागों में कार्यरत महिला कर्मियों को भी उनके बेहतर कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनके योगदान की सराहना की गई।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जनवादी महिला समिति ने निकाला जुलूस

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खगड़िया में जनवादी महिला समिति की ओर से दर्जनों महिलाओं के साथ शहर में जुलूस निकाला गया। जुलूस का नेतृत्व जिला सचिव नीतू देवी, संयुक्त सचिव मंजू देवी और माला देवी ने किया। जुलूस के दौरान महिलाओं ने अमेरिका की साम्राज्यवाद की युद्धोन्मादी नीतियों के विरोध में तथा घरेलू हिंसा, बढ़ती यौन हिंसा और छोटी बच्चियों के साथ हो रही दुष्कर्म व हत्या की घटनाओं के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान महिलाओं ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ भी आवाज उठाई। मौके पर जिला सचिव नीतू देवी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि नारी सशक्तिकरण केवल सरकार के भरोसे नहीं हो सकता। इसके लिए महिलाओं को खुद जागरूक और संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार सहित पूरे देश में महिलाओं के साथ बलात्कार और हत्या की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिसमें चार वर्ष की बच्ची से लेकर 70 वर्ष की वृद्ध महिला तक इसकी शिकार हो रही हैं। साथ ही बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का सबसे अधिक असर भी महिलाओं पर ही पड़ रहा है। कार्यक्रम में कुंती साहू, शारदा देवी, दुखनी देवी, संजू देवी, बिमल देवी, तारा देवी, बासमती देवी सहित दर्जनों महिलाएं मौजूद थीं।

पटना आस-पास

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जीविका दीदियों ने महिला सशक्तिकरण का लिया संकल्प

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने का साझा किया अनुभव

दैनिक बिहार पत्रिका

मुंगेर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीविका सदर प्रखंड की कुतलपुर दियारा पंचायत में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जीविका दीदियों ने महिला सशक्तिकरण को सफल बनाने का संकल्प लिया। जिले के सभी संकुल संघ कार्यालयों में भी महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां जीविका से जुड़ी दीदियों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज कराते हुए महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण पर जोर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जीविका दीदियों ने भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया



है और वे आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। दीदियों ने कहा कि समूह से जुड़ने के बाद उन्हें रोजगार के नए अवसर मिले हैं, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। कार्यक्रम के दौरान मोना दीदी ने गाय पालन से आय अर्जित करने का

अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर थी और परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल था। जीविका से जुड़ने के बाद उन्होंने गाय पालन का कार्य शुरू किया, जिससे

अब वे नियमित आय अर्जित कर रही हैं और अपने परिवार का बेहतर ढंग से पालन-पोषण कर रही हैं। वहीं कटरिया पंचायत की हीरा देवी ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जीविका से जुड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है। इस अवसर पर जिले के सभी 22 संकुल संघों में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई संकुल संघों और दीदियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक अमित कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस ग्रामीण महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जीविका के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और समाज में अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं।

लाजपत पार्क की बदहाली पर विधायक ने किया निरीक्षण



दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। शहर के ऐतिहासिक लाजपत पार्क की बदहाली को लेकर रविवार सुबह नगर विधायक रोहित पांडेय ने लाजपत पार्क बचाओ संघर्ष समिति के साथ पार्क का निरीक्षण किया। इस दौरान समिति के संयोजक कमल जायसवाल ने विधायक को पार्क की जर्जर स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 से ही वन विभाग और नगर निगम को इस संबंध में सूचना दी जा रही है, लेकिन इसके बावजूद पार्क लगातार

उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। संघर्ष समिति की ओर से पार्क में नियमित सफाई, पेयजल की व्यवस्था, खराब पड़े ज़िम उपकरणों की मरम्मत, सुरक्षा के लिए मास्ट लाइट लगाने सहित कुल 11 सुत्रीय मांगें विधायक के समक्ष रखी गईं। निरीक्षण के दौरान विधायक रोहित पांडेय ने कहा कि पार्क की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही वन विभाग और नगर निगम प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर पार्क में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को बहाल कराया जाएगा।

महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं।- डॉ मनीष पंकज मिश्रा

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनीष पंकज मिश्रा भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिकृता संतोष ठाकुर गोपाल प्रसाद यादव ह- ीरा यादव बबलू गुप्ता राणा रणजीत सिंह विजय प्रसाद गुप्ता ने सभी माताओं, बहनों और बेटियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज की शक्ति, प्रेरणा और संस्कार की आधारशिला हैं। किसी भी समाज और राष्ट्र की उन्नति महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर निर्भर करती है।डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं। शिक्षा, राजनीति, विज्ञान, प्रशासन,



खेल और व्यापार सहित हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। यह हमारे समाज के लिए गर्व की बात है कि महिलाएं आज आत्मनिर्भर बनकर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षा मिले। बेटियों की शिक्षा, महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके आत्मसम्मान को बढ़ावा देना

हम सभी का कर्तव्य है।इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद अधिकृताने सभी से आह्वान किया कि हम सब मिलकर एक ऐसे समाज के निर्माण का संकल्प लें जहां महिलाओं को पूरा सम्मान, समान अधिकार और सुरक्षित वातावरण प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होंगी तभी समाज और राष्ट्र सशक्त बनेगा। अंत में उन्होंने पुनः अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की सभी को हार्दिक बधाई देते हुए महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य, सम्मान और समृद्धि की कामना की।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को समर्पित सम्मान-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित



दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को खगड़िया के खेल भवन परिसर में नारी शक्ति को समर्पित सम्मान-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हम्मरे पंख झा मेरा आसमानह थीम पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी नवीन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों और समाज निर्माण में उनके योगदान की सराहना की गई। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। मंच से वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सेवा और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आत्मविश्वास और

को सराहना की गई। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। मंच से वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सेवा और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कई महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आत्मविश्वास और



दृढ़ इच्छाशक्ति से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। छात्राओं और महिलाओं ने गीत, नृत्य तथा लघु नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी शक्ति, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश संदेश दिया। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिलाधिकारी नवीन कुमार ने अपने

संबोधन में कहा कि महिलाएं प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और देश सेवा सहित हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्त और आत्मनिर्भर होना ही एक मजबूत और प्रगतिशील समाज की पहचान है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गरीब व असहाय महिलाओं के बीच सैनिटरी पैड का वितरण



धोरज गुप्ता, दैनिक बिहार पत्रिका

बोधगया। इरन्हील क्लब ऑफ बोधगया द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गरीब और असहाय महिलाओं के बीच सैनिटरी पैड का वितरण किया गया। इस दौरान महिलाओं को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया गया। कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष डॉ. वीणा पाठक ने कहा कि महिला तभी सशक्त हो सकती है जब वह स्वस्थ रहे और स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता बेहद ज़रूरी है। उन्होंने महिलाओं को मास्-

िक धर्म के दौरान सैनिटरी पैड का उपयोग करने की सलाह देते हुए स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर जन ओपथि केंद्र, बोधगया की ओर से भी महिलाओं को सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने में सहयोग किया गया। क्लब की सदस्यों ने महिलाओं को स्वच्छता अपनाने, स्वास्थ्य का ध्यान रखने और जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में क्लब की पास्ट प्रेसिडेंट सरिता वर्मा, वीणा पाठक, रीमा देवी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहें।

अभिषेक अग्रवाल, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। जिले के पीरपैती थाना क्षेत्र में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई जब पीरपैती-अम्मापाली फोरलेन के पास रेलवे ट्रैक के समीप एक युवक का शव बरामद किया गया। शव मिलने की खबर आसपास के गांवों में तेजी से फैल गई और घटनास्थल पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। बाद में मृतक की पहचान ओटालपुर निवासी हुकुमचंद मंडल के पुत्र पिंकु मंडल के रूप में हुई। पहचान होने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव को देखकर उनका रो-रोकर बुग हाल हो गया। घटना के



बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना की सूचना मिलने पर पीरपैती थाना की सब इंस्पेक्टर संगम कुमारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। मृतक के पिता

हुकुमचंद मंडल ने बताया कि उनका बेटा शनिवार सुबह करीब 10 बजे से लापता था। वह सुबह उनके साथ ही घर से निकला था, लेकिन कुछ देर बाद उसका कोई पता नहीं चल पाया। काफी खोजबीन के बावजूद उसका सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह अचानक सूचना मिली कि उनका शव रेलवे ट्रैक के पास पड़ा हुआ

है। परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका जताई है। मृतक के पुत्र नीतीश कुमार ने आरोप लगाया कि उनके पिता की हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक के पास फेंक दिया गया है ताकि घटना को दुर्घटना का रूप दिया जा सके। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है।

वाहन जांच के दौरान 35 बोतल विदेशी शराब बरामद

खगड़िया। खगड़िया जिले के पसरहा थाना क्षेत्र में शनिवार को वाहन जांच के दौरान पुलिस ने 35 बोतल विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस को देखते ही एक बाइक सवार तस्कर अपनी बाइक और शराब छोड़कर मौके से फरार हो गया। यह कार्रवाई सुलिस गेट से पश्चिम 14 नंबर सड़क (बांध) पर चलाए जा रहे सघन वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। एसआई रंशु कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम जांच कर रही थी। इसी दौरान एक संधिघ बाइक सवार पुलिस को देखकर घबरा गया और बाइक छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने मौके पर छोड़ी गई बाइक और झोलें की तलाशी ली, जिसमें से कुल 35 बोतल विदेशी शराब बरामद हुई। बरामद शराब में 375 एमएल की आइकोनिक और ब्लेंडर्स प्राइड ब्रांड की बोतलें शामिल हैं। पुलिस ने बाइक और शराब को जब्त कर थाना लाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पसरहा थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि क्षेत्र में शराब तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फरार तस्कर की पहचान की जा रही है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाहरी टोटो चालकों की मनमानी से स्टेशन क्षेत्र में परेशानी

दैनिक बिहार पत्रिका गया शहर में ईद के बाजार के दौरान स्टेशन क्षेत्र में बाहरी टोटो चालकों की मनमानी से यात्रियों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह के समय गया जंक्शन के बाहर बड़ी संख्या में बाहरी टोटो चल रहे हैं, जिनके पास न तो गया जिले का ड्राइविंग ला-इसेंस है और न ही आधार या वोटर आईडी जैसे आवश्यक दस्तावेज। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे टोटो चालकों पर कार्रवाई नहीं होने से शहर में अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। इसके कारण स्टेशन के बाहर और आसपास के इलाकों में अक्सर जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे यात्रियों को काफी दिक्कत होती है। लोगों ने बताया कि इस संबंध में कई बार यातायात एवं परिवहन विभाग को जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे गया शहर के स्थानीय टोटो चालकों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार वार्ड पार्षद द्वारा बाहरी टोटो चालकों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने की बात भी सामने आई है, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। वहीं पुरस्ध्ता मोड़ के पास सुबह के समय अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बिना कागजात के चल रहे बाहरी टोटो चालकों पर कार्रवाई कर शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाया जाए।

25 हजार का इनामी बदमाश लहरियासराय स्टेशन से गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया। महेशखुंट थाना में दर्ज लूट और जान से मारने की धमकी के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है। म्रिलो जासगीर के अनुसार लखौरी पुलिस ने इतमादी पंचायत के वारुण गांव के पश्चिम सहरीन बहियार में छापेमारी कर यह कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से शराब बरामद करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे आवश्यक पूछताछ शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान स-र्वजनिक नहीं की है। बताया गया कि यह कार्रवाई थानाध्यक्ष अजीत कुमार के निर्देश पर इतमादी पुलिस फिंकेट प्रभारी नगीना कुमार ने अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों के साथ रविवार को की। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि क्षेत्र में गिरफ्तार आरोपियों और अवैध शराब निर्माण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब और शराबियों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

देसी शराब भट्टी ध्वस्त, 20 लीटर शराब के साथ तीन गिरफ्तार

खगड़िया। बेलदौर थाना क्षेत्र में पुलिस ने छापेमारी कर एक देसी शराब भट्टी को ध्वस्त कर दिया और मौके से 20 लीटर देसी शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। म्रिलो जासगीर के अनुसार बेलदौर पुलिस ने इतमादी पंचायत के वारुण गांव के पश्चिम सहरीन बहियार में छापेमारी कर यह कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से शराब बरामद करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे आवश्यक पूछताछ शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान स-र्वजनिक नहीं की है। बताया गया कि यह कार्रवाई थानाध्यक्ष अजीत कुमार के निर्देश पर इतमादी पुलिस फिंकेट प्रभारी नगीना कुमार ने अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों के साथ रविवार को की। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि क्षेत्र में गिरफ्तार आरोपियों और अवैध शराब निर्माण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब और शराबियों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर टाउन हॉल में आयोजित हुआ कार्यक्रम



अभिषेक अग्रवाल, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को भागलपुर के टाउन हॉल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह, सिटी एसपी शैलेंद्र सिंह और महपौर डॉ. वसुंधरा लाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसने वहां मौजूद लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर महिलाओं की उपलब्धियों और समाज में उनकी बढ़ती भागीदारी पर भी चर्चा की गई। डीएसपी प्रेरणा सिंह ने कहा कि आज के समय में महिलाओं की भूमिका हर क्षेत्र में मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि देश के साथ-साथ बिहार की महिलाएं भी तेजी से आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग में भी बड़ी संख्या में महिलाएं अपनी सेवाएं दे रही हैं और जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रही हैं। कार्यक्रम में कई अधिकारी, महिलाएं और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रादेशिक

जीविका ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई- जिलाधिकारी

नगर निगम के जीविका दीदी को नही मिला दस हजार रुपए

दैनिक बिहार पत्रिका गया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीविका दीदियों द्वारा समाहरणालय सभाकक्ष, गया में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी, गया शशांक शुभंकर ने की। मानपुर, गया टाउन, आमस, बोधगया, डोभी, गुरुआ, खिजरसराय एवं शेरघाटी प्रखंडों की जीविका दीदियों ने इसमें भाग लिया है। संकुल संघों की प्रतिनिधि दीदियों, महिला बीपीएम एवं सामुदायिक समन्वयकों की सक्रिय भागीदारी रही है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जी-विका दीदियों एवं महिला कर्मियों को जिला पदाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया है। जिला पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि जीविका ने स-रकार की कल्याणकारी योजनाओं को



जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि जिले में अब छह लाख से अधिक महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ चुकी हैं और विधानसभा चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने में भी जीविका दीदियों का योगदान सराहनीय रहा है। उन्होंने महिलाओं को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत प्राप्त राशि से उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया है। जिला परियोजना

प्रबंधक आचार्य मम्मट ने महिलाओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ह्यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः॥ उन्होंने नारी को सबला बताते हुए उद्यमिता के माध्यम से लखपति से करोड़पति दीदी बनने का संकल्प दिलाया है। इस कार्यक्रम में बोधगया की नूरजहाँ खातून ने जी-विका से जुड़ने के बाद अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की प्रेरक कहानी साझा की है। उन्होंने बताया



कि जीविका से जुड़ने से उन्हें घर से बाहर निकलने का साहस मिला और जीवन में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। प्रबंधक मानव संसाधन स्वाति कश्यप ने महिलाओं को अपनी शक्ति पहचानने और दूसरी दीदियों की सफलता से प्रेरणा लेने का संदेश दिया है। प्रबंधक सामाजिक विकास राकेश कुमार ने कहा कि महिलाएँ आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उन्हें स्वयं को किसी से कम नहीं समझना चाि-

हए। प्रबंधक संचार दिनेश कुमार ने कहा कि महिला संसार की सृजनकर्ता है और उनके बिना इस संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने महिलाओं को निरंतर सीखते रहने और उद्यमिता अपनाने की प्रेरणा दी है। प्रबंधक सूक्ष्म वित्त ने जीविका दीदियों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए जिले की प्रगति की जानकारी दी है। युवा पेशेवर स्वराज मनोहर ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से महिला

सशक्तिकरण के उदाहरण दिए तथा वीडियो प्रदर्शन द्वारा महिलाओं की सफलता की कहानियाँ साझा की गई हैं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, गया, शैलेश कुमार दास, जी-विका के जिला परियोजना प्रबंधक आचार्य मम्मट, प्रबंधक मानव संसाधन स्वाति कश्यप, अन्य जिला स्तरीय प्रबंधक एवं बड़ी संख्या में जीविका दीदियाँ उपस्थित थीं। जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के अतिरिक्त प्रकाण्डों में महिला सामुदायिक संगठनों, संकुल स्तरीय संघों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को मनाया गया है। इस अवसर पर जीविका दीदियों ने विभिन्न बैठकों के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। दीदियों द्वारा रांगोली बनाई बनाई गई एवं अपने अनुभव साझा किया गया है।

द ग्रेटइंडियन कपिल शो में रवि किशन ने मनोज तिवारी को बताया अपना



दैनिक बिहार पत्रिका

मुंबई। नेटफ्लिक्स के लोकप्रिय शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में इस बार अभिनेता रवि किशन ने अपने मजेदार अंदाज से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। शो के दौरान उन्होंने भोजपुरी सिनेमा के शुरूआती दिनों की कई दिलचस्प यादें साझा कीं। जज कपिल शर्मा ने मनोज तिवारी, निरहुआ और पवन सिंह वाले पिछले एपिसोड का जिक्र किया, तो रवि किशन ने मजाकिया अंदाज में कहा, हूइ-हैं चलना मैंने सिखाया, ब्लैक कॉफी पीना मैंने

सिखायाहूवे ये सभी मेरे जूनियर्स हैं हू उनका इस बात पर मंच पर मौजूद सभी लोग हंस पड़े और माहौल ठह-वां से गुंज उठा। इस दौरान रवि किशन ने फिल्म कन्यादान की शूटिंग से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि बनारस घाट पर कड़के की ठंड में फिल्म को शूटिंग हो रही थी। उन्होंने हंसेते हुए कहा कि उस समय पहली बार इतना बड़ा कैमरा देखा गया था। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि वही व्यक्ति हैं जिन्होंने अपने साथियों को पहली



बार मुंबई दिखाया था। शो में कॉमेडियन सुनील ग्रोवर मनजोत सिंह 2.0 के किरदार में मंच पर आए और अपने अंदाज में दर्शकों को खूब हंसाया। वहीं कृष्णा अभिषेक और किंकु शारदा सिक्थीरिटी जोड़ी मोना और सोना के रूप में नजर आए और अपने मजेदार संवादों से माहौल को और भी हल्का-फुल्का बना दिया। रवि किशन की पुरानी यादों, कलाका-रों की कॉमेडी और मंच पर हुए मजेदार संवादों ने इस एपिसोड को हंसी और मनोरंजन से भर दिया।

महिला दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं के संघर्ष, उपलब्धियों और समाज में उनके योगदान को याद करने का दिन है : मेयर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित, महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण पर जोर

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गयाजी। गयाजी शहर के काशीनाथ मोड़ स्थित एक निजी होटल में रवि-वार को वूमेन विंम्स ऑफ सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ गया नगर निगम के मेयर विंेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान और पूर्व डिप्टी मेयर अखीरी औंसार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय महिला लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष राखी अग्रवाल, सचिव ममता कुमारी, कोषाध्यक्ष अनुराधा बरनवाल, विशिष्ट सदस्य निर्मला देवी, रूपा अग्रवाल, सनी कुमार, सेठ भारत कुमार तथा

अजय कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे हैं। सभी ने महिलाओं के सम्मान, अधिकार और समाज में उनकी बढ़ती भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर नगर निगम के कई महिला वार्ड पार्षद को, प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मेधा सिन्हा व मधु शर्मा, नितिन सिंह,इंदु प्रजापति महिला शिक्षक रीता रानी, वार्ड पार्षद सारिका वर्मा, मीना देवी, जया देवी (पटना हाईकोर्ट नैसी कुमारी,सुरभी बाला जिला आर्ट एंड कल्चर पोग्राम,को भी महिला दिवस पर सम्मानित किया गया है। इसके अलावा समाजसेवी से जुड़ी महिलाओं को अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया है। इस मौके पर मेयर गणेश पासवान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं के संघर्ष,



उपलब्धियों और समाज में उनके योगदान को याद करने का दिन है। महिलाओं को समाज की ह्आधी

आवादीह्द कहा जाता है, क्योंकि वे समाज के विकास, परिवर्ाति, मजबूती और नई पीढ़ी के निर्माण में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आज महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, खेल, प्रशासन और सेना जैसे हर क्षेत्र

कोसी त्रिमुहान घाट पर नहाने के दौरान तीन बच्चे डूबे, तलाश जारी

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। भागलपुर जिले के बिहपुर प्रखंड अंतर्गत हरियो पंचायत में कोसी त्रिमुहान घाट पर नहाने के दौरान तीन बच्चे नदी में डूब गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। डूबे बच्चों की तलाश के लिए स्थानीय गोताखोर और प्रशासन की टीम लगातार खोजबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार गांव के पांच बच्चे अपने माता-पिता के साथ कोसी पार गोविंदपुर से पशुचाया लेकर लौट रहे थे। इसी दौरान गर्मी और थकान से राहत पाने के लिए सभी बच्चे नदी में नहाने लगे। नहाने के दौरान खेलते-खेलते दो बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्हें बचाने के प्रयास में तीसरा बच्चा भी तेज धारा में फंस गया। इस दौरान बाकी



दो बच्चे किसी तरह नदी से बाहर निकलने में सफल रहे और उन्होंने ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी किनारे जुट गए और बच्चों की

तलाश शुरू कर दी। लापता बच्चों की पहचान हरियो पंचायत के वार्ड नंबर 12 (महेशपुर) निवासी कैप्टन यादव के 13 वर्षीय पुत्र लक्ष्मण कुमार, शंकर शर्मा के 12 वर्षीय पुत्र नयन कुमार तथा

पिंटू यादव के 14 वर्षीय पुत्र युवराज उर्फ प्रीतम कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन भी सक्रिय हो गया। मुखिया प्रतिनिधि सचि्वदानंद सिंह और ग्रामीण महेंद्र ऋषिदेव ने क्षेत्रीय विधायक इंजीनियर शैलेंद्र को इसकी जानकारी दी। विधायक के निर्देश पर नवगुछिया एस्-।डीओ रोहित कर्दम सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। बीडीओ सत्यनारायण पंडित और नदी थाना अध्यक्ष केशव चंद्र भी टीम के साथ घटनास्थल पर कैप कर रहे हैं। बच्चों की तलाश तेज करने के लिए एसड-।आरएफ की विशेष टीम को भी बुलाया गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रोटरी गया सिटी ने दो बालिका तीरंदाज को दिया धनुष

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी तीरंदाजी मैदान खेल परिसर में मगध अचारी फाउंडेशन और रोटरी गया सिटी की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस रविवार को मनाया गया। इस दौरान रोटरी गया सिटी की ओर से दो बालिका तीरंदाज सलोनी और वैष्णवी करण को नया धनुष उपहार में दिया गया। इस दौरान क्लब की डॉ अमिता सिन्हा और किरण प्रकाश ने बालिका तीर-दाज को पुरस्कृत करते हुए कहा कि आप लोग इस धनुष से बेहतर प्रदर्शन करते हुए नेशनल में पदक जीत कर आए। लोगों ने कहा कि हमारे डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नर्मता नाथ की सोच थी कि महिला दिवस पर बालिका तीरंदाज को सम्मानित किया जाए। इसके लिए उन्होंने आर्थिक रूप से मदद भी की थी। इसी बात को लेकर



आज दो खिलाड़ियों को नया धनुष देकर सम्मानित किया गया इस दौरान फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ रतन कुमार, रोटरी गया सिटी के सचिव राजकुमार दुबे व श्रीश प्रकाश ने भविष्य में भी नन्हे तीरंदाजों को आर्थिक रूप से मदद करने की बात कही। इस मौके पर फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष अंजय कुमार सिंह, सतीश कुमार, धर्मदेव दास, संगीता पांडे ,पूजा कुमारी सहित अन्य लोगों ने महिला दिवस पर अपनी बातों को रखा।

(चिंतन-मनन)

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा



यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं। लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है। निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी में अधिक ध्यान आकर्षित करना भी होता है। निष्ठा तुम सब पर शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है। निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतंत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

कहां से पैदा हो रही है यह खूनी नफरत की मानसिकता

यह कौन सा असहिष्णुता अराजकता और वहशियत भरी सोच का नतीजा है जो रंग की दो छींट पड़ जाने पर उस होनहार नवयुवक के खून से होली खेलते हैं जिस-का कोई कुम्भूर भी नहीं था जिसने कोई रंग भी नहीं डाला था जो दिन में घंटित छोटी सी नोकझोंक से अनजान था और होली की शाम अपने घर लौट रहा था लेकिन नफरती पड़ोसियों ने उस का निरीह कल्ल कर दिया। आपको बता दें कि जब 4 मार्च पूरा देश होली के रंगों में डूबा हुआ था, वहीं भारत की राजधानी दिल्ली खूनी होली में डूबी हुई थी।दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में होली के मौके पर हुए एक छोटे से झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया। जानकारी के मुताबिक, होली के दौरान 10 साल के बच्चे के गुब्बारा फेंकने को लेकर दो समुदाय में बहस हो गई।देखते ही देखते यह झगड़ा हिंसा तक पहुंच गया और मुस्लिम समुदाय के 10 से 15 लोगों ने एक हिंदू घर को निशाना बनाया और उनके बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी। आपको बता दें कि उत्तम नगर में बुधवार की रात होली खेल रही 11 साल की बच्ची को नहीं मालूम था कि वह अपने परिवार के सदस्य पर जो पानी का गुब्बारा फेंक रही है, उसके छिंट किसी को इतने नागवार गुजरेंगे कि वह इलाके में सांप्रदायिक तनाव का कारण बन जाएंगे। उसे नहीं पता था कि गुब्बारा उसके परिवार के लिए तेजाब की तरह साबित होगा, जिसकी चोट में उस-का पूरा परिवार आ जाएगा। उसे यह भी नहीं मालूम था कि उस गुब्बारे से निकले पानी की वजह से परिवार ना केवल एक अनचाहे विवाद में पड़ जाएगा, बल्कि उसके परिवार के 26 साल के युवक तरुण की जान भी चली जाएगी। हम बात कर रहे हैं, शहर के उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में होली की रात हुए एक ऐसे विवाद की, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।विवाद की शुरुआत एक महिला पर रंग वाले पानी के छिंट लगने से हुई। उस लड़की ने अपने घर के नीचे खड़े अपने रिश्तेदारों पर एक पानी का गुब्बारा फेंका था, जो सड़क पर जा गिरा और फट गया, जिसके बाद रंगीन पानी के कुछ छिंट पड़ोस में रहने वाले दूसरे समुदाय की एक महिला को जा लगे।जिसके बाद हुए विवाद में हिंदू परिवार के युवक की जान चली गई। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया, साथ ही एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया। जबकि घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। साथ ही व्याप्त तनाव को देखते हुए पुलिस कोई कोताही नहीं बरत रही है और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात करते हुए इलाके में कड़ी सुरक्षा की गई है।दरअसल गुब्बारे में भरे पानी के छिंट लगने के बाद पड़ोस में रहने वाली वह महिला ना केवल भड़क गई, बल्कि उसने गंदी-गंदी गालियां देकर विवाद करना शुरू कर दिया। इसी दौरान उसने अपने परिजनों व अपने समुदाय के अन्य लोगों को बुला लिया और होली खेल रहे परिवार पर हमला किया। इस दौरान आरोपियों ने वहां मारपीट करते हुए जमकर तोड़फोड़ भी की। पीड़ित परिवार ने जैसे-तैसे अपने आप को घर के अंदर बंद करते हुए उनसे बचाया। इस झगड़े के दौरान परिवार का सदस्य तरुण अपने दोस्त के घर गया हुआ था और जो इस झगड़े से बेखबर था। होली खेलते निकला तरुण रात करीब 10.30 बजे अपने दोस्त के घर से वापस लौट रहा था, इसी दौरान रास्ते में करीब 8 से 10 आरोपियों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों ने लाठी, पत्थर और लोहे की रॉड से तरुण को बेरहमी से पीटा। जब वह बेसुध हो गया तो आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों को झगड़ा का पता चला तो वह मौके पर पहुंचे और उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वारदात की सूचना मिलते ही उत्तम नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।तरुण की मौत की खबर जैसे ही पता चली तो उसके दोस्त, परिचित और इलाके में रहने वाले अन्य लोग बुले तहह भड़क गए और उन्होंने आरोपियों के घर के बाहर तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसी दौरान शुक्रवार को भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच कुछ लोगों ने एक कार और एक मोटरसा-इकिल को आग लगा दी। जिसके बाद दमकल की गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया, जिन्होंने आग पर तुरंत काबू पा लिया। इसी बीच कुछ परिचितकारियों ने कथित तौर पर आरोपी परिवार के घर पर हमला करने की कोशिश की, जिस-के बाद पुलिस कमियों ने हस्तक्षेप करते हुए स्थिति और बिगड़ने से पहले भीड़ को तितर-बितर कर दिया। उधर बंटे तरुण की मौत के बाद पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल था। परिवार की एक महिला ने न्याय की मांग करते हुए कहा कि घटना के सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। वहीं प-रवार के कुछ सदस्यों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होने पर सड़कों को जाम करने की चेतावनी भी दे दी। मामला तब और गंभीर होने लगा जब मामले में हिंदूवादी संगठन के सदस्यों की भी एंट्री हो गई। एक हिंदू राजनीतिक संगठन के सदस्य भी थाने पहुंचे और विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए, नारे लगाए और घटना में शामिल सभी लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की हालांकि शुक्रवार को पुलिस ने बताया कि इस वारदात के संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है, जबकि घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने कहा कि इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए। हाल ही में ऐसे कई वारदातों की झड़ी लगी है जिसमें हिन्दू युवकों किसीरो व्यापारियों को मजहबी नफरती हत्थारों ने कल्ल कर अपनी बबरता का हवाला दिया है। अभी बीस दिन पहले इट्ट दिल्ली के मयूर विहार के आगे त्रिलोकपुरी में 42 साल के वीर सिंह की बेरहमी से हत्या कर दी गई जानकारी के मुताबिक, यासीन और यामीन नाम के शख्स ने वीर सिंह की ही दुकान में चाकू मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। गोकुलपुरी में हिमांशु सीलमपुर में नाबालिग कुणाल हरिनगर में हरिश का भी इसी तरह मुसलिम हत्थारों ने कल्ल किया है।एक के बाद एक दिल्ली में घंटित हो रही ये वारदात सामान्य अपराध नहीं है इन सब के पीछे कुछ नफरती लोगों द्वारा मजहब के नाम पर वहाटसअप और मजहबी तकरीरों के जरिए पैदा किया जा रहा नफरती जहर काम कर रहा है।

कई अभ्यर्थी वास्तव में गाँवों या साधारण परिवारों से आते हैं और अपनी कहानी इसलिए साझा करते हैं ताकि दूसरे युवाओं को प्रेरणा मिल सके। भारत में ऐसे अनेक सफल अधिकारी हैं जिनकी जड़ें छोटे कस्बों और ग्रामीण परिवेश से जुड़ी रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। हालाँकि, सामाजिक माध्यमों के इस दौर में एक अलग प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपनी छवि गढ़ने के लिए ह्किसान का बेटाह्व या ह्गुाँव से आया लड़का या लड़कीह्व जैसी पहचान को अधिक उभारकर प्रस्तुत करते हैं। कई बार इसका उद्देश्य सहानुभूति अर्जित करना, अपनी कहानी को अधिक प्रेरणादायक बनाकर प्रस्तुत करना या समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों में अधिक ध्यान आकर्षित करना भी होता है। भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और उनमें से कुछ सी लोग ही अंततः देश-ासनिक सेवा में स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसलिए जो लोग इस कठिन परीक्षा में सफल होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से समाज में र्चचा और सम्मान का विषय बन जाते हैं। समाचार माध्यम, सामाजिक माध्यम और आम समाज उनके जीवन की कहानी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में एक दिलचस्प और कभी-कभी चिंताजनक

प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि शहरों की समृद्ध पृष्ठभूमि में पले-बढ़े कुछ सफल अभ्यर्थी अचानक अपनी पहचान को ह्किसान पुत्रह्व, ह्गुाँव का बेटाह्व या ह्गुरामीण पृष्ठभूमिह्व के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत पहचान का प्रश्न नहीं है; यह उस व्यापक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भी उजागर करती है, जिसमें लोकप्रियता और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी को विशेष तर-ीके से प्रस्तुत किया जाता है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या यह केवल प्रेरणा देने का प्रयास है या फिर लोकप्रियता हासिल करने की एक रणनीति? इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और माध्यम-संबंधी कारण छिपे हुए हैं। भारतीय समाज में संघर्ष की कहानियाँ हमेशा से अत्यधिक सम्मानित रही हैं। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करता है, तो वह कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यही कारण है कि समाचार माध्यम अक्सर ऐसे उदाहरणों को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कोई अभ्यर्थी सीमित संसाधनों, आर्थिक कठिनाइयों या ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद सफलता प्राप्त करता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी कहानियाँ समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाती हैं। वे युवाओं को यह विश्वास दिलाती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी



ग्रामीण और शहरी अवसरों के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, ऐसी कहानियाँ उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब वास्तविकता से अधिक आकर्षक या भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ जाता है। सामाजिक माध्यमों के इस दौर में हर व्यक्ति अपनी कहानी को इस तरह प्रस्तुत करना चाहता है कि वह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और उन्हें प्रभावित करे। इस प्रक्रिया में कभी-कभी वास्तविक पृष्ठभूमि की जटिलता को सरल और भावनात्मक कथा में बदल दिया जाता है। आज के समय में समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यम किसी भी व्यक्ति की छवि बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सफल अभ्यर्थी की कहानी कुछ ही घंटों में पूरे देश में फैल सकती है। विभिन्न साक्षात्कार, वीडियो मंच और समाचार लेख अक्सर उस कहानी के ऐसे पहलुओं को सामने लाते हैं जो भावनात्मक और प्रेरणादायक हों। माध्यमों की दृष्टि से यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दर्शक और पाठक ऐसी क-हानियों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। ह्गुाँव से निकलकर प्रशासनिक सेवा में पहुँचा युवकह्व या ह्किसान की बेंटी जिसने प्रशासनिक सेवा में स्थान बनायाह्व जैसी सुर्खियाँ तुरंत ध्यान आकर्षित करती हैं। परिणामस्वरूप, कभी-कभी कहानी के कुछ हिस्सों को अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि अन्य पहलू पीछे छूट जाते हैं। यदि

किसी अभ्यर्थी का परिवार मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा रहा हो, लेकिन उसकी शिक्षा और परवरिश शहरों में हुई हो, तो माध्यम अक्सर उसी ग्रामीण संबंध को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं। इससे वास्तविकता का एक आंशिक चित्र सामने आता है। भारत जैसे विशाल और विविध समाज में पहचान हमेशा सरल और एक-आयामी नहीं होती। किसी व्यक्ति का जन्म गाँव में हो सकता है, लेकिन शिक्षा शहर में हुई हो सकती है। किसी के माता-पिता खेती से जुड़े हो सकते हैं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है। वास्तव में दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं। लेकिन जब कहानी को सरल और प्रभावी बनाने

विश्व युद्ध की आहत और मानवता के सामने खड़ा विनाश का संकट



हालात में लोगों को अपने काम छोड़कर वापस लौटना पड़ता है जिससे उनके परिवारों पर आर्थिक संकट आ सकता है। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए शांति की दिशा में योगदान दे। युद्ध का एक और गंभीर प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। जब तेल टैंकरों पर हमले होते हैं या समुद्र में तेल

का रिसाव होता है तो समुद्री जीवन को भारी नुकसान पहुंचता है। समुद्र में रहने वाले जीवों की बड़ी संख्या नष्ट हो जाती है और समुद्री परिस्थितिकी तंत्र को गहरा आघात पहुंचता है। इसके अलावा बमबारी और मिसाइल हमलों से शहरों का बुनियादी ढांचा नष्ट हो जाता है। अस्पताल स्कूल अस्पताल परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत द्वारा किया गया है ताकि अनु-शासन एवं देशभक्ति से ओतप्रोत युवा वर्ग अनुशासित होकर अपने देश को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करे। इस पंच परिवर्तन कार्यक्रम को सुचारू रूप से लागू कर समाज में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है। व्यवहार में पंच परिवर्तन को समाज में किस प्रकार लागू करना है इस हेतु हम समस्त भारतीय नागरिकों को मिलकर प्रयास करने होंगे, क्योंकि पंच परिवर्तन केवल चिंतन, मनन अथवा बहस का विषय नहीं है बल्कि इस हमें अपने व्यवहार में उतारने की आवश्यकता है। उक्त पांचों आचरणान्क बातों का समाज में होना सही चाहते हैं, अतः छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ कर उनके अभ्यास के द्वारा इस आचरण को अपने स्वभाव में लाने का सतत प्रयास अवश्य करना होगा। जैसे,

संघ द्वारा चलाए जा रहे पंच परिवर्तन कार्यक्रम से समाज परिवर्तन सम्भव है



डॉ गीता जैन

आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं और यदि हम संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर दृष्टि डालें, तो ध्यान में आता है कि संघ के स्वयंसेवकों ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विचार और क्रियाशीलता के स्तर पर सक्रिय योगदान दिया है। वे अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के वाहक भी बने हैं। प्रारम्भ का सीमित संघ कार्य, समय के साथ व्यापक होता गया है। समाज की विभिन्न आवश्यकताओं को समझते हुए स्वयंसेवक विविध आयामों में अपने सहयोगियों के साथ क्रियाशील बने हैं। परिणामतः संघ के उद्देश्य अनुरूप, देश में हिंदुत्व का जागरण करने की दिशा में विशेष प्रगति हुई है। हिंदुत्व के जागरण से, समाज में जाति, वर्ग, भाषा इत्यादि के आधार पर होने वाले अनेक प्रकार के भेदभाव, धीरे धीरे कम होने लगे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन, अयोध्या मंदिर में श्रीरमलला

की प्राण प्रतिष्ठा, कुम्भ जैसे विराट आयोजन इत्यादि अनेक ऐसे अवसर आए हैं - जहां हिंदू समाज का एक संघटित, भव्य और स्वच्छ आदर्शों से युक्त स्वरूप सामने आया है। यह दृश्य समाज में आत्मविश्वास जगाने वाला बन रहा है। हम सब मिलकर देश के भविष्य को उज्ज्वल एवं सुदृढ़ बना सकते हैं और अपने वाली पीढ़ियों के लिए एक सकारात्मक वातावरण निर्मित कर सकते हैं। इसलिए ये हमारी राष्ट्रीय एकात्मता को सुदृढ़ करने वाले आयोजन सिद्ध हुए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष केवल इतिहास की उपलब्धियां नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा का संकल्प हैं। आज, जब हम राष्ट्रीयस्वयं संघ की 100 वर्षों की इस यात्रा को देखते हैं, तो यह भी स्पष्ट होता है कि समाज में जिस परिवर्तन के लिए संघ के स्वयंसेवक सक्रिय रहे हैं वह अब दिखाई देने लगा है। हिंदुत्व और इसकी परम्पराओं पर लोगों का विश्वास बढ़ा है। समाज के अनेक लोग इस तथ्य को स्वीकार कर रहे हैं और इसका अनुभव भी कर रहे हैं। हिंदुत्व का इस जागृति के कारण लोग अब हिंदू होने में गर्व का अनुभव कर रहे हैं। एक समय था जब स-र्वजनिक जीवन में हिंदू समाज की कमियों को ही उजागर किया जाता था, जिससे अनेक लोग हिंदुत्व की अच्छाईयों को पहचान नहीं पाए, किंतु अब स्थिति बदल गई है। लोग अपने

पूर्वजों के धर्म और परम्पराओं को महत्व देने लगे हैं। वे अपने बच्चों के नामकरण से लेकर विवाह पद्धति तक में हिंदू संस्कारों का अनुसरण कर रहे हैं। घर की परम्पराओं को आदरपूर्वक अपनाया जा रहा है। उक्त वर्णित सम्पूर्ण प्रक्रिया का उद्देश्य है - एक सच्चरित्र, ग्रामाणिक और संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण करना। ऐसी पीढ़ी समाज का वातावरण सुधार कर घर और समाज में सुख शांति स्थापित कर सकती है। इसलिए, इन मूल्यों और संस्कारों को महत्व देने और उन्हें अपने जीवन में उतारने के प्रयास आज घर घर में होने लगा हैं। लोग अब ऐसे सभी मंचों और माध्यमों से जुड़ने के लिए प्रयत्नरत हैं जो इस दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। संघ को भी लोग इस दृष्टि से एक महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं और विश्वासपूर्वक संघ से जुड़ने का उत्साह दिखा रहे हैं। जैसे जैसे हिंदुत्व पर विश्वासपूर्वक संघ से जुड़ने का उत्साह बढ़ रहा है, वैसे वैसे भारत के प्रति श्रद्धा और विश्वास, व्यापक और गहरा हो रहा है। संघ का मानना है कि ह्रस्वसुधैव कुटुंबकमह्व के आदर्श पर चलकर भारत न केवल अपने समाज को सशक्त करेगा, बल्कि पूरी दुनिया को शांति, सद्भाव और सहयोग का संदेश देकर विश्वगुरु की भूमिका निभाएगा। यह सब भारतीय समाज में परिवर्तन लाकर ही फलिभूत हो सकता है। संघ द्वारा अपनी स्थापना के समय लिए गए संकल्पों को शीघ्र ही पूर्ण करने के

उद्देश्य से अपने इस शताब्दी वर्ष में कुछ विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय समाज को (1) अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजग करने, (2) पर्यावरण के प्रति सचेत करने, (3) नागरिकों में स्व के भाव को जगाने एवं स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने, (4) कुटुम्ब प्रबोधन के माध्यम से परिवारिक भावना जागृत करने एवं (5) समाज में समरसता के भाव को सुदृढ़ करने के लिए गम्भीर प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम को ह्रूंपच परिवर्तनह्व का नाम दिया गया है और इसका अग्रगण्य परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत द्वारा किया गया है ताकि अनु-शासन एवं देशभक्ति से ओतप्रोत युवा वर्ग अनुशासित होकर अपने देश को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करे। इस पंच परिवर्तन कार्यक्रम को सुचारू रूप से लागू कर समाज में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है। व्यवहार में पंच परिवर्तन को समाज में किस प्रकार लागू करना है इस हेतु हम समस्त भारतीय नागरिकों को मिलकर प्रयास करने होंगे, क्योंकि पंच परिवर्तन केवल चिंतन, मनन अथवा बहस का विषय नहीं है बल्कि इस हमें अपने व्यवहार में उतारने की आवश्यकता है। उक्त पांचों आचरणान्क बातों का समाज में होना सही चाहते हैं, अतः छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ कर उनके अभ्यास के द्वारा इस आचरण को अपने स्वभाव में लाने का सतत प्रयास अवश्य करना होगा। जैसे,

समाज के आचरण में, उच्चारण में संपूर्ण समाज और देश के प्रति अनन्यत्व की भावना प्रकट हो, प्रत्येक घर में सप्ताह में कम से कम एक बार पूजा या धार्मिक आयोजन हो एवं अपने परिवार के बच्चों के साथ बैठकर महापुरुषों के सम्बंध में सप्ताह में कम से कम एक घंटे चर्चा हो, परिवार के सभी सदस्यों में नित्य मंगल संवाद, संस्कारित व्यवहार व संवेदनशीलता बनी रहे, बढ़ती रहे व उनके द्वारा समाज की सेवा होती रहे, आदि बातों का ध्यान रखकर कुटुंब प्रबोधन जैसे विषय को आगे बढ़ाया जा सकता है। मंदिर, पानी, श्मशान के सम्बंध में कहीं भेदभाव बाकी है, तो वह शीघ्र ही समाप्त होना चाहिए। हम लोग अपने परिवार सहित त्योंहारों के समय अनुसूचित जाति के बंधुओं के घर जाएं और उनके साथ चाय पान करें। साथ ही, हम अनुसूचित जाति के बंधुओं को सपरिवार अपने परिवार में बुलाकर सम्मान प्रदान करें। कुल मिलाकर समस्त समाज एक दूसरे के त्योंहारों में शामिल हों ताकि आपस में भाई चारा बढ़े एवं देश में सामाजिक समरसता स्थापित हो सके। सृष्टि के साथ संबंधों का आचरण अपने घर से पानी बचाकर, प्लास्टिक हटाकर व घर आंगन में तथा आसपास हरियाली बढ-ाकर हो सकता है। अपने घरों में जल का कोई अपव्यय नहीं हो रहा है एवं अपने परिवार में हरियाली की चिंता की जा रही है। अपने घर में, रिश्तेदारी में,

की कोशिश की जाती है, तो अक्सर एक ही पहचान को प्रमुखता दी जाती है। यही कारण है कि कभी-कभी लोगों को यह लगता है कि वास्तविकता से अलग या बढ़ा-चढ़ाकर चित्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आज का समय छवि और कथानक का समय है। सामाजिक माध्यमों ने हर व्यक्ति को अपनी छवि गढ़ने का अवसर दिया है। लोग केवल यह नहीं बताते कि वे कौन हैं, बल्कि यह भी तय करते हैं कि वे समाज के सामने कैसे दिखाई देना चाहते हैं। लेकिन जब यह प्रक्रिया वास्तविकता से अधिक छवि-निर्माण पर आधारित होने लगती है, तो यह आलोचना का विषय बन जाती है। समाज को यह महसूस होने लगता है कि लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए पहचान का उपयोग किया जा रहा है। यह भी याद रखना आवश्यक है कि हर सफल अभ्यर्थी ऐसा नहीं करता। देश में हजारों ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी पृष्ठभूमि के बारे में ईमानदारी से बात करते हैं और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। अंततः प्रशासनिक सेवा में सफलता का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि कोई अधिकारी अपने पद का उपयोग समाज के हित में किस प्रकार करता है। ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना ही किसी भी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान होती है। लोकप्रियता क्षणिक होती है, लेकिन सच्ची सेवा और ईमानदार कार्य ही वह आधार है जो किसी व्यक्ति को स्थायी सम्मान दिलाता है।

बंगाल चुनाव का काउंटडाउन : कोलकाता पहुंचेगी चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ, दो दिनों तक होगा तैयारियों का ‘महा-मंथन’ ।



कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में विधानसभा (विस) चुनाव की घोषणा से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आयोग की पूर्ण पीठ दो दिनी दौर पर रविवार रात कोलकाता पहुंचेगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि पूर्ण पीठ नौ मार्च से बैठकें करना शुरू करेगी। सबसे पहले ज्ञानेश कुमार सुबह कालीघाट मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करेंगे। मालूम हो कि कालीघाट मंदिर बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रियो ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र में है। उसके बाद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक होगी। आयोग बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया व आगामी विस चुनाव की तैयारियों को लेकर उनकी शिकायतों व सुझावों पर गौर करेगा। उसी दिन दोपहर सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल पूर्ण पीठ के समक्ष बंगाल में जारी हुई अंतिम मतदाता सूची के विचाराधीन मामलों की वर्तमान स्थिति पर अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे। अगले दिन पूर्ण पीठ बंगाल सरकार के शीर्ष प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करेगी। बैठक में राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती व कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडेय समेत अन्य शामिल होंगे। उसके बाद आयोग की टीम चुनाव पंजीकरण अधिकारियों, सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों व बृथ स्तरीय अधिकारियों से मिलेगी और फिर जिलाधिकारियों (जो कि जिला चुनाव अधिकारी भी हैं), पुलिस अधीक्षकों व विभिन्न पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेगी।

40 डिग्री के पास पहुंचेगा तापमान, यूपी में अब कहर बरपाने वाली है गर्मी! लखनऊ–कानपुर में बढ़ी तपिश



लखनऊ, एजेंसी। यूपी में फागुन के महीने में ही जेट जैसी तपिश का अहसास होने लगा है। मार्च का पहला हफ्ता खत्म होने को है और सूरज के तेवर इस कदर तलख हो गए हैं। गर्मी ने लोगों को अभी से टाचर करना शुरू कर दिया है। यूपी में लखनऊ, कानपुर, इटावा, आगरा, मथुरा, अलीगढ़ सहित अन्य जिलों में पारा सामान्य से कुछ डिग्री सेल्सियस ऊपर तक जा पहुंचा है। शनिवार को प्रदेश का मौसम पूरी तरह शुष्क रहा और फिलहाल राहत की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। उतर पश्चिमी हवा की गति लगभग एक से पांच किमी प्रति घंटा के बीच हैं, जिसके कारण गर्मी बढ़ गई है। शनिवार का दिन इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। कानपुर में अधिकतम पारा 32.3 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.8 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम पारा 17.6 डिग्री पहुंच गया है जो सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक है। कानपुर में हवा की रफ्तार कम होने से एक सप्ताह में कड़ी धूप के साथ चिपचिपी गर्मी भी पड़नी शुरू हो जाएगी। पहाड़ों पर विशोभ का असर और बिहार तक आ चुके बादलों के कारण रात का तापमान में वृद्धि हो रही है। जब तक बादल नहीं छटते तब तक तापमान में वृद्धि बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर से एंटी साइक्लोन यानि प्रति चक्रवात उठने की वजह से वहां से नम हवा बिहार, पूर्वी यूपी होते हुए मध्य क्षेत्र की ओर बढ़ रही है। इससे उमस बढ़ेगी, 15 मार्च के करीब तक दिन का पारा 35 डिग्री के आसपास, जबकि आखिरी मार्च तक 40 डिग्री सेल्सियस तक पारा जा सकता है।

कोई मौसम तंत्र सक्रिय नहीं : मौसम विशेषज्ञ डॉक्टर एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि प्रदेश में एक सप्ताह तक कोई मौसम तंत्र सक्रिय नहीं होगा। मौसम शुष्क बना रहने से अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान एक से दो डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि देखने को मिलेगी।

थार सवार दो युवकों ने लहराई तलवारें, गुरुग्राम पुलिस ने झाइवर समेत दो को दबोचा ; हथियार बरामद



गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में अब थार सवार दो युवकों द्वारा गाड़ी चलते समय बाहर निकलकर तलवारें लहराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने लोगों की सूचना पर नाकेबंदी करते हुए दोनों युवकों को गाड़ी समेत पकड़ लिया। गाड़ी से चार तलवारें व खुखुरी बरामद की गई। दोनों के खिलाफ सेक्टर 10 थाने में संबंधित थाराओं में केस दर्ज किया गया। सेक्टर-10 थाना पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात मुखबिर ने सूचना दी कि एक काले रंग की थार गाड़ी में दो युवक तलवार लहरा रहे हैं। यह गाड़ी कादीपुर की तरफ तेज रफ्तार में घूम रही है।

पुलिस ने घेरकर गाड़ी को पकड़ा : वहीं, सूचना पर पुलिस ने हिमागिरी चौक के पास नाकेबंदी की। कुछ देर बाद बिना नंबर की एक थार गाड़ी बलू चौक की तरफ से आती दिखाई दी। जब इसे रुकने का इशारा किया गया तो गाड़ी चालक ने भगाने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस टीम ने घेरकर गाड़ी को पकड़ लिया। जांच के दौरान गाड़ी से चार तलवारें और एक खुखुरी मिलीं। गाड़ी सवार दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान सेक्टर 10 ए के तरुण यादव और तुषार शर्मा के रूप में की गई। दोनों आरोपी तलवारें रखने के बारे में कोई भी कागजात पेश नहीं कर पाए।

ब्राह्मण महिला संगठन ने मनाया होली मिलन समारोह

वाराणसी,एजेंसी। संस्कार ब्राह्मण महिला संगठन की ओर से शनिवार को सिगरा स्थित एक हौटल में होली मिलन समारोह मनाया गया। संगठन की अध्यक्ष अश्वमाला ने अतिथियों का स्वागत किया। महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिलाओं के जीवन पर आधारित मंचन किया गया। आरती पांडेय ने महादेवी वर्मा, निशा मिश्रा ने सावित्रीबाई फुले, पुनम ने सरोजिनी नायडू, रेखा अग्निहोत्री ने पन्ना धाय, मंमला खबूर, सुपमा शर्मा, रेखा शर्मा, पद्मावती, सुमन और कनकधारा बरआ के जीवन पर आधारित प्रस्तुतियां दीं।

लखनऊ में पीएम टेक्सटाइल पार्क की कनेक्टिविटी अधर में

पुल समय से पहले बनकर तैयार, लेकिन सड़क का पता नहीं



लखनऊ, एजेंसी। डबल इंजन सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट को गति देने में कुछ सरकारी विभाग पिछड़ रहे हैं। पीएम टेक्सटाइल पार्क को कनेक्ट करने वाला पुल तो समय से पहले बनकर तैयार हो गया, लेकिन उसके लिए प्रस्तावित 14 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य अब तक शुभारंभ तक नहीं हो पाया है। अगर समय से सड़क भी बनकर तैयार हो जाती तो लाखों लोगों को इसका फायदा मिलना शुरू हो गया होता।

पीएम टेक्सटाइल पार्क को लेकर

केंद्र से भी लगातार समीक्षा की जा रही है। पिछले केंद्रीय बजट में भी इसके लिए निर्माण विभाग के प्रांतीय निर्माण खंड दो

पीएम टेक्सटाइल पार्क पर बनने वाले पुल का निर्माण सेतु निगम ने साईं नदी पर किया है। सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय निर्माण खंड दो की टीम को करना है। 14 किमी. सड़क की टेंडर प्रक्रिया पूरी करने का दावा किया जा रहा है। हालांकि धारा 11 के अंतर्गत

जमीन का अधिग्रहण होने की प्रक्रिया बाकी है। इसलिए फिलहाल तो पीएम टेक्सटाइल पार्क तक जाने के लिए पूर्व के रास्तों का ही प्रयोग करना पड़ेगा।

सड़क बनाने का प्रोजेक्ट करीब 409 करोड़ रुपये का है। इस धनराशि में मुआवजे की धनराशि भी जुड़ी है। सेतु निगम के अभियंताओं का कहना है कि दो लेन के पुल का निर्माण मार्च में पूरा होना था, लेकिन जनवरी 2026 में इसे पूरा कर लिया गया था। इसके निर्माण में कुल 40,939.74 लाख रुपये खर्च हुए हैं। यह मार्ग आउटर रिंग रोड से पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान पार्क योजना के अंतर्गत प्रस्तावित टेक्सटाइल पार्क को जोड़ने का काम करेगा। इस प्रयास से राष्ट्रीय राजमार्ग और लखनऊ शहर सीधा जुड़ जाएगा।

लखनऊ शहर से पीएम मित्र पार्क का आवागमन और सुगम हो जाएगा। इसके साथ ही पुल व लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क बनवाने के बाद तीन लाख से अधिक स्थानीय आबादी को सीधे लाभ होगा और कारखाने में काम करने वाले कर्मियों को भी। रैथा टेक्सटाइल पार्क को कनेक्ट करने के लिए पुल और सड़क

बदायूं के सरकारी स्कूल में बच्चों से नमाज पढ़वाने का आरोप

बदायूं, एजेंसी। बदायूं जिले के जूनियर हाई स्कूल रिसौली में बच्चों से सामूहिक रूप से नमाज पढ़वाने का आरोप लगा है। इसे लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को स्कूल में पहुंचकर विरोध जताया। संगठन के पदाधिकारियों ने मामले की जांच करने की मांग की। बदायूं जिले के रिसौली स्थित एक सरकारी स्कूल में बच्चों से सामूहिक रूप से नमाज पढ़वाने का मामला सामने आया है। इस पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ता स्कूल पहुंच गए और विरोध जताया। स्कूल में हंगामा का वीडियो शनिवार रात को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। उझानी क्षेत्र के जूनियर हाई स्कूल रिसौली में सामूहिक रूप से नमाज अदा कराई गई। यह मामला बीते बुधस्तिवार का बताया जा रहा है ।

डीएमई पर तमंचा दिखाकर कार-मोबाइल लूटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

चोरी की कार और बाइक बरामद की

गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर चार मार्च को फरीदाबाद के स्टूडियो संचालक से तमंचे के बल पर कार-मोबाइल लूटने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के कब्जे से लूटी गई टाटा नेक्सान कार, चोरी की बाइक, पूर्व में एक महिला से लूटे गए कुंडल और तमंचा बरामद किया गया है। पुलिस का कहना कि यह गिरोह राह चलते लूट को अंजाम देता है। लूट के लिए निकलने पर यह कोई योजना नहीं बनाते। डीएमई पर हुई लूट भी ऐसे ही घटनाक्रम का नतीजा है। जब बदमाशों ने डीएमई पर कार खड़ी देखी जिसके शीशे खुले हुए थे तभी बदमाशों ने कार लूट ली। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल के मुताबिक पकड़े गए आरोपित



गिरधरपुर रोड निवासी राज राजपूत, दर्शन और बिसरख निवासी अजय है। आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने चार मार्च को तड़के फरीदाबाद निवासी स्टूडियो संचालक किसलय कुमार और उसके मित्र को डीएमई पर हाईटेक कालेज के पास कार में सोता पाए जाने पर तमंचा दिखाकर लूट लिया था। बदमाश उनकी टाटा नेक्सान कार और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। मोबाइल फोन बाद में नाले में फेंक दिया गया। इस घटना के अलावा गिरोह ने क्षेत्र में अन्य वारदातें भी

की थीं। पुलिस जांच में सामने आया कि 18 फरवरी को गुर्जरगढ़ी गांव में उपले पाथ रही महिला के कानों से कुंडल छीने गए थे। वहीं 26 फरवरी को लालकुआं क्षेत्र से एक बाइक चोरी की गई थी। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों से तीन वारदातों का खुलासा हुआ है। पकड़े गए बदमाश अभी कम उम्र के हैं लेकिन कई अपराधिक घटनाएं कर चुके हैं। 23 वर्षीय राज राजपूत मूल रूप से लुधियाना का रहने वाला है।

वाह रे सिस्टम! उपभोक्ताओं को पता तक नहीं

विभाग ने 1 लाख से अधिक का बढ़ा दिया लोड; बिल देख उड़ें होश

साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। एक तरफ प्रदेश सरकार बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के तमाम दावे करती है, दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा देते हैं। विद्युत निगम ने बीते छह माह में बिना सूचना दिए ही करीब एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन का लोड बढ़ा दिया। किसी का एक किलोवाट से पांच किलोवाट तक कर दिया गया तो किसी का दो किलोवाट से सात किलोवाट कर दिया गया है। वहीं, इससे उपभोक्ताओं का बिजली बिल भी तीन से चार गुना तक बढ़ गया है।

इसका खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। जिले के तीनों जौन में विद्युत निगम के करीब 11 लाख से अधिक उपभोक्ता हैं। जोन एक (गाजियाबाद शहर) में 2.50 लाख, जोन-दो (लोनी, मुरादनगर व मोदीनगर) में 4.50 लाख व जोन-तीन (ट्रांस हिंडन) में 4.10 लाख उपभोक्ता हैं। बीते छह से उपभोक्ताओं के बिजली



कनेक्शन के लोड बढ़ाने के मामले सबसे अधिक सामने आए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले विद्युत निगम के कार्यालयों में जाकर लोड बढ़वाना होता था, लेकिन अब विद्युत निगम बिना सूचना दिए ही लोड बढ़ा रहा है। उपभोक्ता बड़े हुए लोड को कम कराने के लिए विद्युत निगम के कार्यालयों के चक्कर भी काट रहे हैं। इसके बाद ही उनकी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। वहीं, निगम के कार्यालयों के बाहर लोड कम कराने के लिए दलाल भी सक्रिय हैं, जो इसके एवज में रुपयों की डिमांड करते हैं। इसकी

किलोवाट कर दिया लोड : डेल्टा कालोनी के सूर्यनगर के हर्ष पाल ने बताया का उनका घरेलू कनेक्शन एक किलोवाट था। जनवरी में इसे पांच किलोवाट कर दिया। पहले एक हजार से 1500 रुपये के बीच बिल आता था। अब पांच से छह हजार रुपये बिल आ रहा है। जबकि घर में जो उपकरण पहले चलते थे, अभी भी वहीं उपकरण चला रहे हैं। मीटर तक दूसरा नहीं लगाया गया।

तीन से छह किलोवाट किया लोड, तीन गुना बढ़ा बिल : भोपुरा की डिफेंस कालोनी के राजेंद्र सिंह ने बताया कि करीब 10 वर्ष पहले उन्होंने कालोनी में घर बनाया था। उसी दौरान तीन किलोवाट का बिजली कनेक्शन लिया था। बीते वर्ष दिसंबर में कनेक्शन का लोड बढ़ाकर छह किलोवाट कर दिया। करीब दो माह से लोड कम कराने के लिए विद्युत निगम के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बिल भी तीन हजार से बढ़कर आठ से नौ हजार रुपये आ रहा है। जबकि उपकरण पहले वाले ही चल रहे हैं।

एक किलोवाट से पांच

शिकायतें भी विद्युत निगम में लगातार आ रही हैं। **लोड कम कराने के लिए दो माह का दिया जा रहा समय :** एक बार लोड बढ़ने पर कम कराने के लिए उपभोक्ताओं को दो माह का समय दिया जा रहा है। विद्युत निगम के अधिकारियों का कहना है कि अगर एक बार लोड बढ़ जाता है तो उपभोक्ताओं को दो माह तक उतने लोड का उपयोग करना पड़ता है जितना वह कराना चाहता है। इसके बाद ही सिस्टम में लोड कम होता है। साथ ही उपभोक्ता पर बकाया भी नहीं होना चाहिए।

एक किलोवाट से पांच

मामस विज्ञान केंद्र शिमला के वरिष्ठ वैज्ञानिक संदीप कुमार ने बताया कि 9 से 14 मार्च तक पश्चिमी विशोभ सक्रिय हो रहा है और इसके कारण कई वर्षा और हिमपात की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस बार बीते वर्षों की अपेक्षा मार्च में ज्यादा तापमान दर्ज किया जा रहा है। ये लगातार सुखे और तेज धूप के पड़ने के कारण देखने को मिल रहा है।

गर्मी के तेवर कड़े, मैदानों के साथ पहाड़ों में तेजी से बढ़ रहा पारा

4 जिलों में लू चलने

की चेतावनी

शिमला, एजेंसी। जलवायु परिवर्जन का असर विश्व में पड़ रहा है। मार्च के पहले सप्ताह में ही गर्मी के तेवर कड़े हो गए हैं। शुरूआत में ही लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। ये सब फरवरी माह में हिमपात और वर्षा का न होना और लगातार सुखे का प्रभाव है। बीते पांच वर्षों के आंकड़ों को देखा जाए तो इस बार गर्मी के तेवर कुछ ज्यादा ही कड़े हो रहे हैं।

मैदानों के साथ पहाड़ों में भी तापमान सामान्य से 5 से 12 डिग्री तक अधिक दर्ज किया जा रहा है। हालांकि बीत वर्षों के आंकड़ों के आधार पर देखा जाए तो मार्च माह के पहले सप्ताह के दौरान तीन से पांच डिग्री तक अधिक तापमान दर्ज किया जा



रहा है। यही नहीं ये बात भी सामने आई है कि कुछ-कुछ अंतराल पर वर्षा के कारण तापमान में लगातार उतार चढ़ाव देखने को मिलता था जो इस बार गर्मी के कड़े तेवर के तौर पर बिना वर्षा के देखा जा रहा है।

प्रदेश में रोहतांग, शिंकुला और बारालावा में शनिवार को हल्का हिमपात हुआ। जबकि मनाली सहित कुछ एक स्थानों बालू छापे जिसके कारण अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट



ईरान-इजरायल युद्ध के कारण

आईसीसी की बैठक स्थगित

नए मेजबान की तलाश

पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से आईसीसी की बैठक का टलना तय था। अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप फाइनल से एक दिन पहले शनिवार को आईसीसी के सदस्यों को एक औपचारिक संदेश भेजा गया।



दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (दृष्टष्ट) ने 25-27 मार्च को कतर के दोहा में होने वाली बैठक को ईरान-इजरायल युद्ध को देखते हुए टाल दी है। उम्मीद है कि मीटिंग अप्रैल में हो सकती है। हालांकि, नई तारीखों का अभी तक ऐलान नहीं हुआ है। पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से बैठक का टलना तय था। अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप फाइनल से एक दिन पहले शनिवार (7 मार्च) को आईसीसी के सदस्यों को एक औपचारिक संदेश भेजा गया।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी बैठक के लिए एशिया में ही दूसरी जगह ढूँढ रहा है। आईसीसी की इस बैठक में अभी और भविष्य से जुड़े जरूरी मामलों पर चर्चा होनी थी। आईसीसी ने 22 फरवरी को एक रिलीज में कहा था कि दोहा में मीटिंग करने का फैसला कतर में क्रिकेट और देश के बड़े स्पोर्टिंग इकोसिस्टम के साथ आईसीसी के बढ़ते जुड़ाव की वजह से किया गया।

फाइनल देखने आ सकते हैं न्यूजीलैंड क्रिकेट

इस बीच भारत-न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के दौरान आईसीसी के कई पदाधिकारियों के अहमदाबाद में होने की उम्मीद है, जो आईसीसी के चेयरमैन जय शाह का गृहनगर है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (NZC) के अध्यक्ष रोजर टवोस रविवार रात नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हो सकते हैं।

वीसीबी और पीसीबी के अध्यक्ष नहीं होंगे उपलब्ध

जिम्बाब्वे क्रिकेट (ZC) के अध्यक्ष तवेवा मुकुहलानी और क्रिकेट साउथ अफ्रीका (CSA) के चेयरमैन डॉ. मोहम्मद मुसाजी के भी अन्य दूसरे बोर्ड प्रतिनिधियों के साथ मौजूद रहने की उम्मीद है। हालांकि, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बैठक में शामिल होने की कोई जानकारी नहीं है। माना जा रहा है कि वह मेलबर्न में हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोशसिन नकवी यहां नहीं होंगे।



महिला हॉकी विश्व कप कालीफायर :

उरुग्वे के खिलाफ जीत से अभियान शुरू करना चाहेगा भारत

हैदराबाद । भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ कालीफायर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। अनुभवी कोच Sjoerd Marijne के टीम से जुड़ने के बाद खिलाड़ियों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। मेजबान भारत रविवार को यहां अपने पहले मुकाबले में ruguay के खिलाफ जीत के साथ अभियान की सकारात्मक शुरुआत करना चाहेगा।

विश्व कप के लिए तीन स्थान दांव पर: इस कालीफायर टूर्नामेंट में कुल आठ टीमों हिस्सा ले रही हैं, जिनमें भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स, ऑस्ट्रिया शामिल हैं। टूर्नामेंट के पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों आगामी FIH Women's Hockey World Cup के लिए क्वालीफाई करेंगी। यह विश्व कप 14 से 30 अगस्त के बीच Belgium और Netherlands में आयोजित होगा।

कोच मारिन की वापसी से टीम में



जोश: डच कोच स्जोर्ड मारिन के लिए यह टूर्नामेंट मुख्य कोच के रूप में पहली जिम्मेदारी होगी। वह इससे पहले Tokyo 2020 Olympics में भारतीय टीम को ऐतिहासिक चौथे स्थान तक पहुंचाने के बाद पद छोड़ चुके थे और अब एक बार फिर टीम के साथ जुड़े हैं। उनकी वापसी से भारतीय टीम

में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है।

भारत की रैंकिंग और दावेदारी: भारतीय टीम इस समय विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और टूर्नामेंट में इंग्लैंड (7वें स्थान) के बाद दूसरी सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम है। रैंकिंग के आधार पर देखा जाए तो उरुग्वे के खिलाफ

भारत को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

कप्तान सलीमा टेटे ने जताया भरोसा: भारतीय टीम की कप्तान Salima Tete ने कहा कि घरेलू मैदान पर खेलना टीम के लिए अतिरिक्त प्रेरणा का काम करेगा।

उन्होंने कहा, हम अपने प्रशंसकों के सामने घरेलू मैदान पर कालीफायर खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। टीम ने इस टूर्नामेंट के लिए कड़ी तैयारी की है क्योंकि हमें पता है कि यहां क्या दांव पर लगा है। हर टीम विश्व कप में जगह बनाने के लिए खेल रही है, इसलिए शुरुआत से ही कड़े मुकाबलों की उम्मीद है।

आगे के मुकाबले: भारत को रूप चरण में उरुग्वे के अलावा दो और मैच खेलने हैं।

11 मार्च: भारत 1S स्कॉटलैंड
9 मार्च: भारत 1S वेल्स
वहीं अन्य मैचों में इंग्लैंड VS इटली
कोरिया VS ऑस्ट्रिया
स्कॉटलैंड VS वेल्स के बीच मुकाबले खेले जाएंगे।

रोनाल्डो की चोट ने बढ़ाई चिंता, पुर्तगाल के लिए आगामी मैचों में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। सऊदी क्लब अल-नासर के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। टीम के कोच जॉर्ज जीसस ने खुलासा किया कि इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के लिए आगामी मैत्री मैचों में खेलना संदिग्ध हो गया है।

मैच के दौरान चोटिल हुए रोनाल्डो: रोनाल्डो को यह चोट पिछले सप्ताह त सऊदी प्रो लीग के मुकाबले में लगी थी। इस मैच में अल-नासर ने अल-फयहल को 3-1 से हराया, लेकिन मुकाबले के दौरान रोनाल्डो लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए थे।

जांच में सामने आई चोट की गंभीरता: कोच जॉर्ज जीसस ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि शुरुआती तौर पर यह मांसपेशियों में हल्का खिंचाव लग रहा था, लेकिन मेडिकल जांच के बाद पता चला कि चोट अनुमान से अधिक गंभीर है।

उन्होंने कहा, पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से स्पष्ट हो गया है कि उनकी चोट हमारी उम्मीद से ज्यादा गंभीर है।

इलाज के लिए स्पेन जाएंगे रोनाल्डो: कोच के अनुसार रोनाल्डो को फिलहाल आराम और उचित उपचार की जरूरत है। इलाज के लिए वह स्पेन जाएंगे, जहां उनके निजी फिजियोथेरेपिस्ट उनकी रिकवरी पर काम करेंगे। टीम को उम्मीद है कि वह जल्द ही फिट होकर मैदान पर वापसी करेंगे।

पुर्तगाल के मैत्री मैचों पर संकट: रोनाल्डो की चोट के कारण पुर्तगाल की टीम को बड़ा झटका लग सकता है।

इसी तरह अपना काम करते रहे तो हम दूसरी बड़ी टीम को हरा सकते हैं। जाहिर है भारत पर अपने घर में यह वर्ल्ड कप जीतने का बहुत दबाव है।



अनाबेल सदरलैंड ने शतक लगाकर रचा इतिहास, पिछले 5 टेस्ट में जड़ दिए 4 सैकड़ा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड टेस्ट में लगातार तीन पारियों में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। उन्होंने पर्थ में भारत के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन 129 रन की पारी खेली। अपना सातवां टेस्ट मैच खेल रही सदरलैंड ने 17 चौकों की मदद से अपना चौथा टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने 171 रं देे पर 129 रन बनाए लीं। इससे ऑस्ट्रेलिया को मैच में बड़ी बढ़त बनाने में मदद मिली। यह सदरलैंड की टेस्ट क्रिकेट में लगातार तीसरा शतक है और पिछले पांच टेस्ट में उनका चौथा सैकड़ा है। 24 साल की ऑलराउंडर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आईं और एलिस पेरी (76) के साथ चौथे विकेट के लिए 128 रन जोड़े। फिर बेथ मूनी के साथ पांचवें विकेट के लिए 54 रन जोड़े।

पेरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया महिला के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी-पेरी टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन (1006 रन) बनाने वाली और 100 रन का आंकड़ा पार करने वाली दूसरी महिला ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर भी बनीं। वह करें रोल्टन (1002) को पीछे छोड़कर टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं।

सदरलैंड के चार शतक

सदरलैंड टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की महिला खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली आठवीं खिलाड़ी हैं। उन्होंने 89 के शानदार औसत से रन बनाए हैं। वह अपने करियर में चार बार 50 रन का आंकड़ा पार किया है और हर बार उसे शतक में बदला है। टेस्ट क्रिकेट में उनका बेस्ट स्कोर 210 है जो उन्होंने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ इसी मैदान पर बनाया था। भारत की पहली पारी में 198 रन के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 323 रन बनाए और पहली पारी में 125 रनों की बढ़त हासिल की।

जैनिक सिनर ने इंडियन वेल्स ओपन के अगले दौर में बनाई जगह



नई दिल्ली। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी Jannik Sinner ने इंडियन वेल्स ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के Dalibor Svrčina को एकतरफा मुकाबले में हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया।

सिनर ने महज 64 मिनट तक चले मैच में 6-1, 6-1 से जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। इस जीत के साथ ही वह अपने पहले इंडियन वेल्स खिताब की ओर एक और कदम आगे बढ़ गए हैं।

शुरुआत से ही सिनर का दबदबा: मैच की शुरुआत से ही जैनिक सिनर ने आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहले सेट में तेज सर्विस और सटीक ग्राउंड स्ट्रोक्स की बदीलत स्त्रचिना पर लगातार दबाव बनाए रखा।

सिनर ने पहले सेट को 6-1 से अपने नाम किया और मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। दूसरे सेट में भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखते हुए स्त्रचिना को कोई मौका नहीं दिया और 6-1 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अगले दौर में शापोवालोव को देखते हुए वह टूर्नामेंट के मजबूत दावेदारों में शामिल माने जा रहे हैं। अगर सिनर इसी लय को बरकरार रखते हैं, तो आने वाले मुकाबलों में भी वह बड़े खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती दे सकते हैं।

है। पिछले साल US Open में सिनर ने शापोवालोव को चार सेटों में हराया था, जबकि 2021 में शापोवालोव ने सिनर को पांच सेट के मुकाबले में मात दी थी।

मानसिक और शारीरिक रूप से बेहतर महसूस कर रहे सिनर: मैच के बाद सिनर ने कहा कि वह इस समय मानसिक और शारीरिक रूप से काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं मानसिक रूप से अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं शांत और रिलेक्स हूं। कोर्ट पर खेलने में खुशी मिल रही है। हमने इसके लिए काफी मेहनत की है। सिनर ने आगे बताया कि उन्होंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। हमने कोर्ट पर कई घंटे बिताए हैं और जिम में भी लगातार मेहनत की है। मैं खुद को शारीरिक रूप से और मजबूत बनाने की कोशिश कर रहा हूं। हमने डबल सेशन किए और ज्यादा छुट्टियां भी नहीं लीं।

पहले इंडियन वेल्स खिताब की तलाश: जैनिक सिनर इस साल Indian Wells Open में अपने पहले खिताब की तलाश में उतरे हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए वह टूर्नामेंट के मजबूत दावेदारों में शामिल माने जा रहे हैं। अगर सिनर इसी लय को बरकरार रखते हैं, तो आने वाले मुकाबलों में भी वह बड़े खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती दे सकते हैं।

ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य

छाले और खिंचाव से जूझते हुए कनाडा के शटलर को हराया

नई दिल्ली। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने पैर में दर्दनाक छाले और मांसपेशियों में खिंचाव से जूझते हुए शनिवार (7 मार्च) को यहां कनाडा के विक्टर लाई को हराकर ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई। अब वह इस बड़े खिताब के लिए भारत का 25 साल का इंतजार खत्म करने से महज एक जीत दूर है। यह मैच लक्ष्य के करियर के सबसे अच्छे मुकाबलों में से एक साबित हुआ।

लक्ष्य ने एक घंटे 37 मिनट तक चले संघर्ष में 21 साल के लाई पर 21-16, 18-21, 21-15 से जीत हासिल की जिन्होंने पिछले साल पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। लक्ष्य 2022 चरण में उप विजेता रहे थे जिससे यह उनका दूसरा ऑल इंग्लैंड फाइनल होगा। अल्मोड़ा के 24 साल के खिलाड़ी का सामना अब रविवार (8 मार्च) को फाइनल में दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से होगा। वह इसमें जीत से इतिहास रचना चाहेंगे।

प्रकाश पादुकोण-जुलेला गोपीचंद ही ऑल इंग्लैंड खिताब पीले पाए हैं- भारत के लिए प्रकाश पादुकोण (1980) और जुलेला गोपीचंद (2001) ही ऐसे खिलाड़ी हैं जो ऑल इंग्लैंड खिताब जीत पाए हैं। उनके अलावा सिर्फ प्रकाश नाथ (1947) और

साइना नेहवाल (2015) ही उप विजेता बनकर इसके करीब पहुंचे थे। लक्ष्य ने मांसपेशियों में खिंचाव से जूझते हुए शनिवार (7 मार्च) को यहां कनाडा के विक्टर लाई को हराकर ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई। अब वह इस बड़े खिताब के लिए भारत का 25 साल का इंतजार खत्म करने से महज एक जीत दूर है। यह मैच लक्ष्य के करियर के सबसे अच्छे मुकाबलों में से एक साबित हुआ।

लक्ष्य ने एक घंटे 37 मिनट तक चले

संघर्ष में 21 साल के लाई पर 21-16, 18-21, 21-15 से जीत हासिल की जिन्होंने पिछले साल पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। लक्ष्य 2022 चरण में उप विजेता रहे थे जिससे यह उनका दूसरा ऑल इंग्लैंड फाइनल होगा। अल्मोड़ा के 24 साल के खिलाड़ी का सामना अब रविवार (8 मार्च) को फाइनल में दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से होगा। वह इसमें जीत से इतिहास रचना चाहेंगे।

प्रकाश पादुकोण-जुलेला गोपीचंद ही ऑल इंग्लैंड खिताब पीले पाए हैं- भारत के लिए प्रकाश पादुकोण (1980) और जुलेला गोपीचंद (2001) ही ऐसे खिलाड़ी हैं जो ऑल इंग्लैंड खिताब जीत पाए हैं। उनके अलावा सिर्फ प्रकाश नाथ (1947) और

‘कुछ तो नया बोलो’, मिचेल सैंटनर को सूर्यकुमार ने दिया जवाब

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले शनिवार (7 मार्च) को न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उन्हें अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में घरेलू टीम के समर्थकों का दिल तोड़ना अच्छा लगेगा। इस बयान को लेकर भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव से सवाल हुआ तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि पुरानी बातें दोहराई जा रही हैं। कुछ नई बात बोलनी चाहिए।

सैंटनर से पहले 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कर्मिंस ने कहा था कि वह नरेंद्र मोदी स्टेडियम



में मौजूद लाखों लोगों को चुप कराना चाहेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने ऐसा किया भी था। उसने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय टीम को हराकर खिताब जीता था और नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जमा एकतरफा समर्थकों को चुप करा दिया था।

सब ही सेम लाइन विपका रहे हैं

सूर्यकुमार यादव ने मिचेल सैंटनर के बयान को लेकर सवाल पर कहा, ‘सब ही सेम लाइन चिपका रहे हैं। कुछ तो नया बोलो।’ इससे पहले सैंटनर ने कहा था, ‘भीड़ को शांत कराने का लक्ष्य है। टी20 क्रिकेट में बहुत सारे वेरिफबल होते हैं और कभी-कभार ये अस्थिर होते हैं। अगर हम



लॉ में किया है ग्रेजुएशन तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

करियर के रूप में लॉ देश में विस्तृत रूप से फैला हुआ एक प्रेशन है जो सोसाइटी के लिए कार्य करता है। लॉ प्रोफेशनल विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सामंजस्य का कार्य करता है। लॉ की पढ़ाई करने के बाद युवाओं के लिए करियर के कई रास्ते खुल जाते हैं जिसकी मदद से स्किल्स का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। केवल करियर ही नहीं बल्कि इस प्रोफेशन में सम्मान भी बहुत मिलता है। अगर आप भी लॉ की पढ़ाई करने का विचार कर रहे हैं तो जान लें कि क्षेत्रों में आप करियर बना सकते हैं।

क्रिमिनल लॉयर

आपराधिक मामलों के लिए अदालत में अपने मुक्किलों का प्रतिनिधित्व क्रिमिनल लॉयर ही करता है। वे स्थानीय अदालत, उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में अपने मुक्किल के लिए अदालत में मामले पेश करते हैं। भारत में एक क्रिमिनल लॉयर को औसतन 7 लाख प्रतिवर्ष सैलरी मिलती है। जहां फेशन को प्रतिवर्ष औसतन 2 लाख रुपये और अनुभवही लॉयर को प्रतिवर्ष औसतन 30 लाख रुपये तक सैलरी तक मिल सकती है।

कॉरपोरेट लॉयर

कॉरपोरेट लॉयर कंपनियों को उनके इंडस्ट्री के नियमों का पालन करने में मदद करते हैं। वे कंपनी के गठन और

मैनेजमेंट से संबंधित सभी कानूनी प्रक्रियाओं में अपने क्लाइंट की सहायता करने के लिए जिम्मेदार हैं। कॉर्पोरेट लॉयर को प्रतिवर्ष औसतन 6.9 लाख रुपये मिलते हैं।

ज्यूडिशियल सर्विस

लॉ करने के बाद सरकारी नौकरी के भी उतने ही अवसर हैं। अगर आपने लॉ में ग्रेजुएशन किया है और आप सरकारी नौकरी में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए ज्यूडिशियल सर्विस के रास्ते खुले हैं। इसके लिए आपको राज्यों द्वारा आयोजित होने वाले प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होना होगा। परीक्षा में चयनित होने के बाद 2.2 लाख प्रतिमाह सैलरी दी जाएगी और साथ ही अन्य सुविधाएं भी दिए जाएंगे।

लीगल पत्रकार

अगर आप लीगल मुद्दों पर लिखने का शौक रखते हैं और पत्रकारिता को करियर के रूप में चुनना चाहते हैं तो आपके लिए लीगल पत्रकार के रूप में करियर का बेहतर ऑप्शन मौजूद है। इस क्षेत्र में करियर के लिए आपके पास बेहतर कम्युनिकेशन और राइटिंग स्किल्स होनी चाहिए। बेहतर अवसरों के साथ यह करियर को बेहतर और बेहद अलग ऑप्शन हो सकता है। एक लीगल पत्रकार भारत में प्रतिवर्ष 3.7 लाख रुपये की सैलरी के शुरुआत कर सकते हैं।



इंटीरियर डिजाइनिंग उन युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन है, जो कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं। इंटीरियर डिजाइनिंग उन युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन है, जो कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं।

सीमित स्थान में घर, दफ्तर, मॉल या किसी भी प्रॉपर्टी के लिए ऐसा डिजाइन तैयार करना, जिससे वह सुंदर और व्यवस्थित दिखे, यह काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनिंग एक विज्ञान है, जिसमें आपको जगह के बारे में अच्छी जानकारी होना जरूरी है, ताकि छोटे-से-छोटे एरिया को आकर्षक बनाया जा सके। आज छोटे शहरों और गांवों से लोग बड़े शहरों का रुख कर रहे हैं और कम जगह में ज्यादा लोगों को घर देने के लिए जो प्लैट क्लयर पैदा हुआ है, उसने भी इंटीरियर डिजाइनर की भूमिका बहुत खास बना दी है। छोटे-छोटे घरों में पूरे परिवार के हिसाब से सामान व्यवस्थित करना, ताकि कम जगह में भी घर खूबसूरत लगे, यह काम इंटीरियर डिजाइनर ही कर सकता है। वैसे तो इंटीरियर डिजाइनिंग अपने आप में स्पेशलाइजेशन वाला कोर्स है, लेकिन इसके अंतर्गत ऑफिस डिजाइनिंग, किचन डिजाइनिंग, रूम्स डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग और होम डेकोर में एक्सपर्टीज हासिल कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर का काम काफी चुनौतीपूर्ण होता है। प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए पूरी टीम से सहयोग बिटाना होता है। साथ ही, कस्टमर के बजट और पसंद के मुताबिक घर को सजाना होता है। कई बार जो डिजाइन तैयार किया जाता है, वह ग्राहक को पसंद नहीं आता या वह उसमें कुछ बदलाव चाहता है। इसलिए बीच-बीच में उसको अपना काम दिखाते रहना होता है। इंटीरियर डिजाइनर की भूमिका इसलिए भी अहम होती है कि वह अपनी ट्रेनिंग, क्रिएटिविटी और अनुभव के आधार पर ऐसे काम करता है, जिससे किसी भी स्पेस का सही और सुंदर रूप सामने आता है। वही तय करता है कि किसी भी घर को आकर्षक बनाने में किस तरह के रंगों का चयन किया जाए, सोफा, टेबल, डाइनिंग टेबल, बेड समेत पूरे फर्नीचर का लुक और डिजाइन कैसा हो। फैसी लाइट्स

बेहतरीन करियर ऑप्शन है इंटीरियर डिजाइनिंग

और डेकोरेटिव सामान से घर को सजाना भी इंटीरियर डिजाइनर के जिम्मे होता है।

कहां-कहां मोके

अपना घर सजाना किसे अच्छा नहीं लगता? खासकर सेलिब्रिटी और हाई प्रोफाइल लोगों के बीच तो इंटीरियर डिजाइनर से अपने बंगले को खूबसूरत बनवाने का खूब चलन है। इंटीरियर

क्वालिफिकेशन और कोर्स

इंटीरियर डिजाइनिंग में आप बारहवीं के बाद डिप्लोमा, डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। ग्रेजुएशन के बाद भी इस क्षेत्र में आना चाहिए, तो पीजी डिप्लोमा, डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप इस फील्ड में बैचलर इन इंटीरियर डिजाइन, बीए इन इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर स्पेस एंड फर्नीचर डिजाइन, पीजी डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

इंटीरियर डिजाइनर के रूप में शुरुआत में 15 से 20 हजार रुपए महीना तक सैलरी मिल जाती है। शुरुआत में किसी फर्म में नौकरी करना उचित रहता है क्योंकि इससे काम करने का तरीका पता चलता है और प्रैक्टिकल नॉलेज के साथ-साथ अनुभव भी बढ़ता है।

डिजाइनिंग के प्रति लोगों का रुझान इस हद तक बढ़ चुका है कि वे खुद किसी स्पेस को डिजाइन करने की अपेक्षा प्रशिक्षित इंटीरियर डिजाइनर की मदद लेना पसंद करने लगे हैं। शादी, बर्थडे, एनिवर्सरी जैसे कई आयोजनों में सजावट के लिए इनकी सेवा लेने का चलन भी आजकल जोर पकड़ रहा है। इसलिए इनकी मांग खूब बढ़ रही है। घर और कर्माशियल प्रॉपर्टी में कम स्पेस में भी ज्यादा सामान को अच्छी तरह रखने के लिए इंटीरियर डिजाइनर की जरूरत होती है। शुरुआत में किसी आर्किटेक्चर फर्म, बिजनेस फर्म, पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट, टाउन प्लानिंग ब्यूरो, होटल, रिसोर्ट, रेस्तरां, स्टूडियो वॉक प्लानर या कंसल्टेंसी में सहयोगी के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा, अपना काम शुरू करने का ऑप्शन भी इस फील्ड में काफी लोकप्रिय है।

स्किल्स

इंटीरियर डिजाइनिंग के क्षेत्र में आने के लिए क्रिएटिविटी और टेक्नोलॉजी की समझ होना जरूरी है। तभी आप इस फील्ड में बेहतर काम कर पाएंगे। डिजाइनिंग से जुड़े होने की वजह से यहां इमर्जिनेशन अच्छी होनी चाहिए, ताकि आपके दिमाग में नए कॉन्सेप्ट आएँ और उन आइडियाज को वास्तविक बना सकें। मार्केट में चल रहे ट्रेंड से अपडेट रहना और कस्टमर फ्रेंडली बिहेवियर आपके काम में मददगार साबित हो सकता है। इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर सफल होने के लिए रियल एस्टेट फील्ड की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि यह पता चल सके कि बिल्डिंग, घर या कर्माशियल प्लेस में किस तरह का मटेरियल इस्तेमाल हो रहा है और क्या लेटेस्ट डिजाइन चल रही है।

फोटोग्राफी के लिए इनोवेटिव होना जरूरी है ताकि किसी विजुअल को अलग ढंग से देख सकें और उसका महत्व समझ सकें। तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक सफल फोटोग्राफर बनने के लिए पैशन भी चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिये कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। सही पल को कैमरे में कैद करने की कला आएगी, तभी इस फील्ड में काम के साथ कमाई हो पाएगी। फोटोग्राफी एक टेक्निकल लाइन भी है। ऐसे में खुद को अपडेट रखना और कैमरे की टेक्नोलॉजी से परिचित रहना जरूरी है। जिन युवाओं का मन नौ से पांच की नौकरी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने का करता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फील्ड हो सकता है।

जॉब का स्कोप

फोटोग्राफी में ट्रेनिंग लेने के बाद प्रेस फोटोग्राफर, फैशन फोटोग्राफर, पोर्ट्रेट फोटोग्राफर, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर, फीचर फोटोग्राफर, फोरेंसिक फोटोग्राफर, साइंटिफिक फोटोग्राफर बन सकते हैं और फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं। यह एक ऐसा फील्ड है, जहां आपको अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर भी मिल सकता है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मेगजीन, विज्ञापन बोर्डर आदि प्रकाशित करती हैं, जिनमें आकर्षक और स्ट्राइकिंग तस्वीर के लिए फोटोग्राफर की खास भूमिका होती है। मीडिया, ट्रेवल, फिल्म और फैशन इंडस्ट्री बूम करने से यहां फोटोग्राफी का भविष्य काफी उज्ज्वल है। रेगुलर जॉब में आप 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह कमा सकते हैं। बाद में प्रोफाइल के मुताबिक सैलरी बढ़ती जाती है।

कोर्स व क्वालिफिकेशन

फोटोग्राफी में बारहवीं और ग्रेजुएशन के बाद सर्टिफिकेट, डिप्लोमा कोर्स और डिग्री ले सकते हैं। मीडिया के सबजेक्ट में भी कैमरा पढ़ाया जाता है, जिसके बाद कैमरे की एडवांस ट्रेनिंग और पढ़ाई की जा सकती है।



टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाना आसान

सभी देश के विकास में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान है। भारत में भी इस इंडस्ट्री का देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। टेक्सटाइल डिजाइनिंग व इंजीनियरिंग के सुनहरे भविष्य के मद्देनजर अगर इसे दुनिया की एक बड़ी उभरती हुई इंडस्ट्री कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 1 लाख करोड़ रुपए का निवेश होने और 30 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। भारत में यह इंडस्ट्री रिसर्च, डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग और मर्केटाइजिंग जैसी कई श्रेणियों में काम कर रही है। जिसके कारण इसमें जॉब के अवसर भी पहले की अपेक्षा अब तेजी से बढ़ रहे हैं।

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग क्या है

अगर टेक्सटाइल सेक्टर की बात करें तो इसमें रंग, वस्त्र फाइबर, मशीनरी और उत्पाद, कपड़ा और परिधान प्रक्रियाओं को डिजाइन और नियंत्रित करने की प्रक्रिया शामिल है। इसमें फैशनबेल कपड़ों की मांग को ध्यान में रखते हुए बहुत ज्यादा रिसर्च, क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है। इसमें टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की यह शाखा उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करती है जो कपड़ा फाइबर के

प्रकार के यार्न और टेक्सटाइल कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। कपड़ा इंजीनियरिंग में, कपड़े को आकर्षक और फैशनबेल बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए टेक्सटाइल इंजीनियर को काफी रिसर्च और एक्सपेरिमेंट करना पड़ता है। टेक्सटाइल इंजीनियर को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता जैसे कौशल की आवश्यकता होती है।

किस तरह का कोर्स करें

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी जैसे विषय में पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक, टेक्सटाइल डिजाइनिंग में बीए, टेक्सटाइल डिजाइन में बीएससी, बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग या टेक्सटाइल केमिस्ट्री में बीटेक कर सकते हैं। वहीं आप इन कोर्सज में एडवांस्ड डिप्लोमा, एमईए एमटेक और उसके बाद पीएचडी भी कर सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल क्या है

इस इंडस्ट्री में आप मुख्य रूप से प्रोडक्शन कंट्रोल, प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग प्रोसेस, सेल्स, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, सुपरविजन आदि डिपार्टमेंट्स में काम कर सकते हैं। एक टेक्सटाइल इंजीनियर आम तौर पर इंजीनियरिंग प्रोसेस से जुड़ा होता है, जबकि अपैरल और गारमेंट्स की डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग के लिए काम करने वाले प्रोफेशनल्स प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में काम करते हैं।

इन स्किल की जरूरत

अगर आप इस फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपके अंदर कई स्किल का होना जरूरी है। जिसमें मुख्य रूप से कम्युनिकेशन स्किल्स, कम्प्यूटर स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होनी जरूरी हैं। इसके अलावा उनमें चीजों की बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी होनी भी जरूरी है।

करियर की संभावनाएं

कोर्स पूरा होने के बाद आप आप इस फील्ड में टेक्सटाइल मिल्स, एक्सपोर्ट हाउसेज, निटवेयर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, टेक्सटाइल डाइंग एंड प्रिंटिंग यूनिट्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा निजी सिल्ट, हैंडलूम, जूट, खादी, क्राफ्ट डेवलपमेंट संस्थानों में काम कर सकते हैं। आप फैशन रीटेलर्स डिजाइन स्टूडियो और बड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज जैसे में भी काम कर सकते हैं।

सैलरी

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा व डिग्री के बाद आप फ्रेशर के तौर पर अगर आप नौकरी करना चाहते हैं तो 30 से 45 हजार रुपये का शुरुआती वेतन आसानी से मिल जाता है। अनुभव के बाद, आप

आईआईटी से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है, तो आपको शुरुआती वेतन काफी आकर्षक लग सकता है।



करियर बना सकती है फोटोग्राफी

आपको फोटोग्राफी पसंद है और आप किसी सीन को बड़ी खूबसूरती से कैप्चर कर सकते हैं, तो इस कला को करियर बना सकते हैं।



पर्सनैलिटी में इस तरह लाएं निखार

हम सभी अपने जीवन में तरक्की करना चाहते हैं और इसके लिए एक अच्छी जॉब पाने की हसरत हम सभी के मन में होती है। लेकिन एक अच्छी जॉब पाने के लिए सिर्फ आपकी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन या फिर वर्क एक्सपीरियंस ही महत्वपूर्ण नहीं है। बल्कि आपकी पर्सनैलिटी का भी एक गहरा प्रभाव पड़ता है। आप खुद को किस तरह कैरी करते हैं, उसका इंप्रेशन आपकी जॉब अपॉइंटमेंट से लेकर गोथ तक पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी अपनी पर्सनैलिटी में निखार लाना चाहते हैं तो आप इन आसान टिप्स की मदद ले सकते हैं-

कपड़ों पर दें ध्यान - कपड़े बिना बोले ही हमारी पर्सनैलिटी के बारे में काफी कुछ कह जाते हैं। इसलिए, जब भी आप तैयार होते हैं तो ओकेजन को ध्यान में रखकर रेडी हो। हमेशा सही तरह से ड्रेसअप होने से एक कॉन्फिडेंस आता है, जो आपके व्यक्तित्व में निखार लाता है। बॉडी पर बहुत अधिक टैटू, पियर्सिंग या भड़कीले कलर आपको अनप्रोफेशनल दिखा सकते हैं। अपनी बॉडी लैंग्वेज पर काम करें - बॉडी लैंग्वेज आपके व्यक्तित्व के लिए उतनी ही

महत्वपूर्ण है जितनी आपके ओरल कम्युनिकेशन स्किल्स। यह आपके बारे में बहुत कुछ बताता है और लोगों को आपके बारे में सटीक अनुमान लगाने में मदद करता है। आपके चलने, बैठने, बात करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। सही बॉडी लैंग्वेज होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। हमेशा सीधा चलने की कोशिश करें और बोलते समय हमेशा आंखों का संपर्क बनाएं। विनम्र रहें - जब बात पर्सनैलिटी की होती है, तो आपका व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण बिन्दु है, जिस पर आपके ध्यान देना चाहिए। मसलन, हमेशा विनम्र रहें और सभी का मुस्कान के साथ अभिवादन करें। अपने साथियों की मदद करने में कभी भी संकोच न करें। इससे आपकी पर्सनैलिटी में भी आत्मविश्वास आएगा। अपने जूनियर्स और सीनियर्स के लिए समान रूप से विनम्र और जमीन से जुड़े रहें। एक अच्छे श्रोता बनें - जब कोई आपसे बात करे तो दिलचस्पी से सुनें और उन्हें पूरा ध्यान और महत्व दें। इस दौरान आई कॉन्टैक्ट बनाए रखें, ताकि सामने वाले व्यक्ति को यह महसूस हो कि आप उसे ध्यान से सुन रहे हैं। साथ ही, लोगों के बारे में बेहतर तरीके से जानने और उनसे बेहतर तरीके से जुड़ने में आपकी मदद करेगा।



साउथ सुपरस्टार विजय को लगा बड़ा झटका

शादी के 27 साल बाद पत्नी संगीता ने मांगा तलाक

अपनी अपकमिंग फिल्म जन नायगन की रिलीज से पहले साउथ सुपरस्टार थलपति विजय को बड़ा झटका लगा है। उनकी वाइफ संगीता एक्टर संग 27 साल का अपना रिश्ता खत्म करना चाहती हैं और इस क्रम में उन्होंने एक्टर से तलाक भी मांगा है।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बड़े एक्टर थलपति विजय को उनकी फिल्म जन नायगन की रिलीज के बीच बड़ा झटका लगा है। वे पहले ही अपनी आखिरी फिल्म की रिलीज को लेकर परेशानियों का सामना कर रहे थे। लेकिन अब एक्टर को इसी बीच एक बड़ा झटका लगा है। उनकी वाइफ संगीता ने एक्टर पर किसी महिला के साथ रिश्ते का आरोप लगाया है और डिवोर्स के लिए पेटिशन

फाइल की है। एक्टर की प्रोफेशनल लाइफ को लेकर तो टेशन चल ही रही थी लेकिन अब उनकी पर्सनल लाइफ में भी ये नई समस्या खड़ी हो गई है। मशहूर अभिनेता विजय की पत्नी संगीता ने शादी के 27 साल बाद बड़ा कदम उठाया है और चेंगलपट्ट फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है। उन्होंने एक्टर पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया है और उन्होंने अपनी अर्जी में बताया है कि एक्टर का किसी महिला के साथ अफेयर चल रहा है। अचानक तलाक की अर्जी ने विजय के फैस के बीच हलचल मचा दी है। हालांकि अभी साउथ सुपरस्टार की ओर से इसपर कोई भी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

खत्म होगा विजय-संगीता का 27 साल पुराना रिश्ता

इतिहास की ओर रुख करें तो विजय और संगीता ने 25 अगस्त 1999 को शादी की थी। इस शादी से कपल को दो बच्चे भी हैं। उनके बेटे का नाम संजय है जो विजय संग उनकी फिल्म वेड्डिंगकारन में नजर आ चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ उनकी एक बेटी भी है जिसका नाम दिया है। वे भी विजय की फिल्म थेरी में नजर आ चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर की कुल सम्पति 600 करोड़ के आसपास की है। अब एक्टर की पर्सनल लाइफ में ये नया मोड़ सामने आया है और उनकी वाइफ एक्टर संग अपना 27 साल का वैवाहिक जीवन खत्म करना चाहती हैं। पिछले कुछ समय में नागा चैतन्य और धनुष जैसे साउथ स्टार्स की भी शादी लंबे वक्त के बाद खत्म हुई। अब देखने वाली बात होगी कि इस केस में आगे क्या होता है।

‘डकैत’ की रिलीज से पहले

भद्रकाली मंदिर पहुंचे अदिवि शेष, फिल्म की सफलता के लिए मांगा आशीर्वाद

एक्टर अदिवि शेष इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘डकैत’ की रिलीज को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वहीं, फिल्म की रिलीज से पहले हाल ही में एक्टर ने भद्रकाली मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए भगवान का आशीर्वाद लिया है। एक्टर अदिवि शेष इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘डकैत’ की रिलीज को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वहीं, फिल्म की रिलीज से पहले हाल ही में एक्टर ने भद्रकाली मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए भगवान का आशीर्वाद लिया है। अदिवि शेष ने अपनी आने वाली फिल्म डकैत के प्रमोशन की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। फिल्म का पहला गाना ‘रूबक’ आज रिलीज हुआ है। यह रोमांटिक गाना अदिवि शेष और उनकी सह-कलाकार मृणाल ठाकुर पर फिल्माया गया है और इसके साथ ही फिल्म के प्रमोशनल कैपेन की शुरुआत हो गई है। गाने की रिलीज और प्रमोशन की शुरुआत से पहले, अदिवि शेष ने वारंगल के प्रसिद्ध भद्रकाली मंदिर में जाकर माथा टेका और फिल्म की सफलता के लिए आशीर्वाद लिया। यह दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब टीम अप्रैल रिलीज की तैयारी में जुटी हुई है।



नानी की ‘लडी रोमियो’ में पृथ्वीराज सुकुमारन की एंट्री? पावरफुल रोल ने फैस के बीच बढ़ाई एसाइटमेंट

साउथ फिल्म दुनिया में 2026-27 फिर से कुछ धमाकेदार प्रोजेक्ट्स का साल होने जा रहा है और अब ‘ब्लडी रोमियो’ नाम की एक नई पैन-इंडिया फिल्म चर्चा में है। एक्टर नानी की ये मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है, जिसका ऐलान उनके जन्मदिन पर किया गया था। फिल्म की अनाउंसमेंट के कुछ वक्त बाद ही ये खबर सामने आ रही है कि पृथ्वीराज सुकुमारन भी इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं। साथ ही ये भी बताया जा रहा है कि वो फिल्म में एक दमदार भूमिका निभाते नजर आ सकते हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन का नाम फिल्मी दुनिया के बेहतरीन कलाकारों में शामिल है। एक्टर के पास पहले से ही कई कमाल की फिल्में हैं, जिसमें अब सुजीत की डायरेक्शन में बन रही फिल्म ‘ब्लडी रोमियो’ का नाम भी शामिल हो गया है। सुजीत पहले भी बड़े बजट की फिल्मों में अपनी पहचान बना चुके हैं। फिल्म की अनाउंसमेंट एक एडवेंचरस एनिमेटेड टीजर के साथ हुआ था जिसमें नानी को एक हथ 1. शीफ और गैंगस्टर के रूप में दिखाया गया। टीजर ने शानदार विजुअल स्टाइल और दमदार कॉन्सेप्ट के साथ फैस को एक्साइटड किया है। अब खबरों के मुताबिक, ‘वारणसी’ जैसी बड़े प्रोजेक्ट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले पृथ्वीराज को फिल्म में एक पावरफुल किरदार के लिए विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि निर्माता उन्हें फिल्म के प्रमुख किरदारों में से एक के तौर पर शामिल करना चाहते हैं और यह कदम ‘ब्लडी रोमियो’ की अपील और भी बढ़ा सकता है।



इस वजह से धोना पड़ा हाथ

‘कल्कि’, ‘स्पिरिट’ के बाद एक और बिग प्रोजेक्ट से बाहर हुई दीपिका!

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण पिछले कुछ वक्त से फिल्मों को ठुकराने को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। पहले वो सदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट से बाहर हो गई थीं और फिर नाग अश्विन की मूवी कल्कि पार्ट 2 से उन्होंने किनारा कर लिया। वहीं, अब फिर कुछ ऐसी ही खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि दीपिका एक बड़े प्रोजेक्ट से बाहर हो गई हैं। दरअसल, दीपिका पादुकोण हॉलीवुड की वेब सीरीज ‘द व्हाइट लोटस’ के नए सीजन में नजर आने वाली थीं। कहा जा रहा था कि वह ‘द व्हाइट लोटस सीजन 4’ सीरीज के मेकर्स ने उन्हें एक अहम रोल के लिए अप्रोच किया है, लेकिन अब कुछ और ही सुनने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका पादुकोण सीरीज से बाहर हो गईं और इसकी वजह ऑडिशन पॉलिंसी है। कहा जा रहा है कि ‘द व्हाइट लोटस’ के लिए ऑडिशन में डेटरी है। साइन करने से पहले मेकर्स सभी स्टार्स का ऑडिशन ले रहे थे। हालांकि, दीपिका ने ऑडिशन नहीं किया और इसी वजह से उनके हाथ से यह सीरीज निकल गई।



आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने देख ली ‘धुरंधर 2’

बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाते हुए ‘धुरंधर’ ने जबरदस्त सफलता हासिल की। इसने भारत में 800 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 1300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के अलावा, ‘धुरंधर’ इंटरनेट पर भी खूब चर्चा में रही, जहां लोग इसके गानों और हर सीन की तारीफ कर रहे थे। अब जब दर्शक फिल्म के दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो वहीं यामी गौतम ने सबकी उत्सुकता और बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि वो ‘धुरंधर 2’ देख चुकी हैं। यामी गौतम ने बताया कि उन्होंने ‘धुरंधर 2’ देख ली है और वह इसे देखने के बाद से ही मंत्रमुग्ध हो गई हैं। उन्होंने आदित्य धर की तारीफ करते हुए हद 2 ह 18 से बातचीत में कहा, ‘मेरे पति ने उरी जैसी कई बेहतरीन फिल्में बनाई हैं। हाल ही में उन्होंने ‘धुरंधर’ बनाई है। उनमें ‘धुरंधर’ जैसी फिल्म बनाने का जुनून है, वरना यह मुमकिन ही नहीं होता।’



पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार है। पहले उन्होंने ट्रैविस केल्से से अपनी सगाई का ऐलान किया था, जिससे फैस बेहद खुश थे। वहीं, अब खबर है कि कपल इसी साल जून महीने में ये एक-दूसरे संग रोड आइलेड में शादी कर सकते हैं। दोनों की वेडिंग डेट और वेन्यू, दोनों का खुलासा हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों 13 जून को ओशन हाउस में नए सफर की शुरुआत करेंगे। जैसा कि ये सभी को मालूम है कि 13 नंबर, सिंगर टेलर स्विफ्ट का फेवरेट है। ‘एंटरटेनमेंट टुनाइट’ की रिपोर्ट के मुताबिक, इनकी शादी कराने की जिम्मेदारी रैपर प्लेवर प्लेवर ने ली है। इस वेडिंग गेस्ट लिस्ट में टीवी होस्ट ग्राहम नॉर्टन का नाम भी सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि शादी से पहले 30 दिनों के अंदर, शादी से जुड़े पेपरवर्क भी पूरे हो जाएंगे।

टेलर स्विट और ट्रैविस केल्से करने जा रहे हैं शादी

वेडिंग डेट और वेन्यू के बारे में आया अपडेट



अक्षरा सिंह ने किया खुलासा

भोजपुरी इंडस्ट्री में महिला कलाकारों के साथ क्या हो रहा है

भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह ने खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी विवाद पर बेबाक खुलासा किया। उन्होंने स्टेज शो में हुई बदसलूकी और अभद्र गानों के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया साझा की, साथ ही इंडस्ट्री में महिला कलाकारों की सुरक्षा और अनुचित व्यवहार पर गंभीर सवाल उठाए। भोजपुरी इंडस्ट्री की शेरनी कहे जाने वाली Akshara Singh हमेशा अपनी बेबाक राय के लिए जानी जाती हैं। चाहे मामला उनकी पर्सनल लाइफ से जुड़ा हो या किसी और कलाकार के साथ हुए घटनाक्रम का, अक्षरा किसी भी मुद्दे पर खुलकर बोलने से पीछे नहीं हटतीं। हाल ही में उन्होंने सिद्धार्थ कन्नन को दिए एक इंटरव्यू में अपने साथ हुए अनुभवों और इंडस्ट्री के विवादों को लेकर कई खुलासे किए।

काजल राघवानी के समर्थन में बोलीं अक्षरा

अक्षरा सिंह ने काजल राघवानी और खेसारी लाल यादव के विवाद पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि खेसारी को सपोर्ट करने वाले लोगों ने काजल को बहुत परेशान किया था। ‘काजल ने मुझे फोन करके मदद मांगी थी,’ अक्षरा ने कहा। उन्होंने ये भी बताया कि उस समय काजल के ऊपर अभद्र गाने बन रहे थे और स्टेज शो में उनके साथ बदसलूकी की गई थी। अक्षरा ने यह साफ किया कि उन्होंने सिर्फ उनका मनोबल बढ़ाने की कोशिश की थी।

खेसारी लाल यादव के साथ रिश्तों पर खुलासे अक्षरा ने बताया कि खेसारी लाल यादव के साथ उनके रिश्ते अब अच्छे नहीं हैं। ‘पहले वो मुझसे सीखते थे, लेकिन अब उनमें घमंड बहुत बढ़ चुका है,’ उन्होंने कहा। उनके इस बयान से साफ है कि इंडस्ट्री के अंदर रिश्तों में उतार-चढ़ाव आम हैं और लोग समय के साथ बदल जाते हैं।

इंडस्ट्री में गंदगी और असुरक्षा

अक्षरा ने कहा कि जब उनके साथ या किसी और महिला सिंगर के साथ अनुचित व्यवहार होता है, तो यह किसी भी लड़की के लिए बहुत बड़ा झटका होता है। उन्होंने इसे इंडस्ट्री की असुरक्षा और गंदगी का उदाहरण बताया। अक्षरा ने कई सिंगर्स को कॉल कर डांट भी लगाई, क्योंकि जब उनके साथ ऐसा हुआ, तो कोई उनका बचाव नहीं कर रहा था। उनका कहना था कि ऐसे गंदे गानों और स्टेज शो में अभद्रता को रोकना जरूरी है और इंडस्ट्री को सही दिशा में ले जाना चाहिए।

